Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 113 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

आज गुरुवार को होने वाला जनदर्शन स्थगित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हर सप्ताह गुरुवार को होने वाला जनदर्शन इस गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

दिल्ली में बिजली कनेक्शन के लिए अब एनओसी की जरूरत नहीं : आप

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली की 1731 कच्ची कॉलोनियों में अब बिजली के मीटर लगाने के लिए किसी तरह की एनओसी की जरूरत नहीं होगी। पहले इन कॉलोनियों में बिजली की मीटर लगाने के लिए दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी से एनओसी लेनी होती थी। लेकिन अब इस समस्या से लोगों को निजात मिल गई है। अब अनधिकृत कॉलोनी में रहने वाले लोगों को बिना किसी एनओसी के भी बिजली कनेक्शन मिल जाएगा।

एसआई भर्ती रिजल्ट जल्द जारी करें सरकार : हाईकोर्ट

बिलासपुर (विसं)। कई महीनों से आंदोलनरत एसआई भर्ती के अभ्यर्थियों के लिए अब हाईकोर्ट ने रास्ता साफ कर दिया है. हाईकोर्ट जस्टिस एन.के. व्यास के सिंगल बेंच ने राज्य सरकार को 975 पोस्ट के लिए परिणाम जल्द जारी करने के आदेश दिए हैं. हाईकोर्ट ने आगामी 15 दिनों के भीतर एसआई भर्ती परीक्षा के रिजल्ट जारी करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक, लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

धान खरीदी 14 नवम्बर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक की जाएगी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए –

● खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन तथा कस्टम मिलिंग की नीति का अनुमोदन किया गया। मंत्रिमण्डलीय उप समिति की अनुशंसा के आधार पर राज्य में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के दौरान समर्थन मूल्य पर राज्य के किसानों से नगद एवं लिंकिंग में धान खरीदी 14 नवम्बर 2024 से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। राज्य में धान खरीदी 31 जनवरी 2025 तक की जाएगी।

● समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कृषि विभाग द्वारा एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से किसान पंजीयन की प्रक्रिया जारी है, जो 31 अक्टूबर 2024 तक चलेगी। वर्ष 2024-25 में 160 लाख टन धान के उपार्जन का अनुमान है। समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए बायोमेट्रिक व्यवस्था पूर्व वर्ष की भांति लागू रहेगी। मंत्रिपरिषद में खरीदी केन्द्रों में धान के नियंत्रित एवं व्यवस्थित रूप से उपार्जन हेतु सीमांत एवं लघु कृषकों को अधिकतम दो टोकन तथा दीर्घ कृषकों को अधिकतम तीन टोकन प्रदाय करने का निर्णय लिया गया। सभी खरीदी केन्द्रों में इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र के माध्यम से धान खरीदी होगी। धान खरीदी के लिए 4.02 लाख गठान नये जूट बारदाना जूट कमिश्नर के माध्यम से क्रय करने की स्वीकृति दी गई है। धान खरीदी के लिए कुल 8 लाख गठान बारदाने की जरूरत होगी।

● मंत्रिपरिषद की बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में सहकारी समितियों में कार्यरत डाटाएन्ट्री ऑपरेटरों को 18,420 रूपए प्रतिमाह के मान से कुल 12 माह का मानदेय भुगतान का निर्णय लिया गया। इस पर कुल 60 करोड़ 54 लाख रूपए का व्यय भार आएगा। जिसके भुगतान के लिए पूर्व वर्षों की भांति राशि मार्कफेड को प्रदाय की जाएगी।

● विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लिये जाने के संबंध में गठित मंत्रिपरिषद की उपसमिति द्वारा अनुशंसित 49 प्रकरणों को माननीय न्यायालय से वापस लिए जाने का निर्णय लिया गया है।

● मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ पुलिस कार्यपालिक (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 2021 के नियम 8 (2) में सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग/प्लाटून कमाण्डर के पद पर नियुक्ति हेतु भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2024 में केवल एक बार के लिए अभ्यार्थियों की निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सभी छूटों को मिलाकर अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

● राज्य के सभी ग्राम पंचायतों के प्रत्येक घर में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु छत्तीसगढ़ ग्रामीण पेयजल संचालन एवं संधारण नियम, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति अपने दायित्वों के साथ-साथ ग्रामीण पेयजल व्यवस्था के संचालन एवं संधारण का कार्य भी देखेगी। ग्राम सभा के अनुमोदन से जल प्रभार का निर्धारण के अलावा नये कनेक्शन का निर्णय, वित्तीय प्रबंधन, मरम्मत, पेयजल गुणवत्ता का निर्धारण एवं शिकायतों का निराकरण करेगी।

● दिवंगत शिक्षक (पंचायत) संवर्ग के कर्मचारियों के अनुकम्पा हेतु पात्र आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत ऐसे शिक्षक (पंचायत) संवर्ग के कर्मचारी जिनकी मृत्यु सेवाकाल में हो गई थी और जिनके आश्रित नियमानुसार अनुकम्पा हेतु पात्र है, उन्हें छत्तीसगढ़ शिक्षक (पंचायत) संवर्ग नियम 2018 के आधार पर पात्रता अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी। ऐसी स्थिति में स्कूल शिक्षा विभाग से पद पूर्ति के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को पद प्रदाय करने के पूर्व के आदेश को शिथिल करने का निर्णय भी लिया गया है, ताकि दिवंगत के पात्र आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जा सके।

● लोकनायक जयप्रकाश नारायण (मीसा/डी.आई.आर. राजनैतिक या सामाजिक कारणों से निरूद्ध व्यक्ति) सम्मान निधि नियम, 2008 में संशोधन का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों का राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि की जाएगी तथा अंत्येष्टि के लिए उनके परिवार को 25 हजार रूपए की सहायता राशि दी जाएगी।

● देशी/विदेशी मदिरा बोतलों पर चस्पा किये जाने हेतु E&cise Adhesive Label (Hologram) होलोग्राम में अधिक सुरक्षात्मक फीचर्स उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के उपक्रम भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड (महाराष्ट्र) से होलोग्राम क्रय करने का निर्णय लिया गया।

● छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक नीति 2019-24 के तहत स्टील डाउन स्ट्रीम प्रोजेक्ट्स, एथेनॉल इकाईयों एवं कोर सेक्टर के सीमेंट उद्योगों के लिये विशेष निवेश प्रोत्साहन पैकेज के निर्धारण का अनुमोदन किया गया।

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान, दिवाली से पहले केन्द्रीय कर्मचारियों के डीए में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दीवाली से पहले केंद्र सरकार ने करोड़ों कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ा तौहफा दिया है। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। मोदी कैबिनेट ने आज बुधवार को अपनी बैठक में आधिकारिक तौर पर महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। 3 फीसदी की इस बढ़ोतरी के बाद अब कर्मचारियों को मिलने वाला डीए बढ़कर 53 फीसदी हो जाएगा।

इस बढ़ोतरी से 1 करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। बता दें कि डीए बढ़ोतरी 1 जुलाई 2024 से प्रभावी है। ये भी बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी जुलाई से दिसंबर महीने तक के लिए है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों को अक्टूबर की सैलरी में तीन महीने- जुलाई, अगस्त और सितम्बर का ष्ठ एरियर भी मिलेगा।

दरअसल, केंद्र सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देता है, जबकि पेंशनभोगियों को डीआर दिया जाता है। सामान्य तौर पर, डीए और डीआर में साल में दो बार बढ़ोतरी की जाती है- जनवरी और जुलाई। अभी एक करोड़ से ज्यादा केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 50 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। इससे पहले बीते मार्च महीने में सरकार ने 4ब्र डीए बढ़ाने का ऐलान किया था। 2006 में, केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए और डीआर की गणना करने के फॉर्मूले को संशोधित किया था। 30 सितंबर को कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लेटर लिखकर डीए/डीआर बढ़ोतरी की घोषणा में देरी पर चिंता व्यक्त की थी। इसके साथ आपको ये भी बता दें कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों का ष्ठ उनके बेसिक सैलरी के आधार पर तय किया जाता है।

जम्मू-कश्मीर : उमर अब्दुल्ल ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर को मिला पहला मुख्यमंत्री

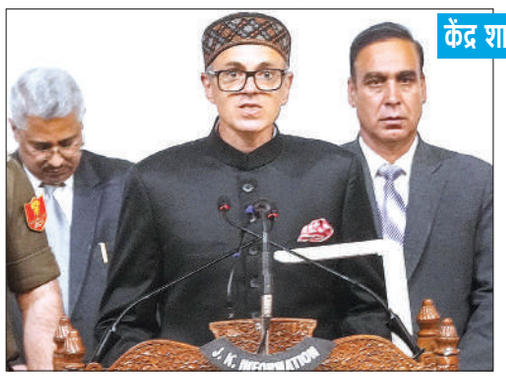

श्रीनगर (आरएनएस)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर अब्दुल्ला के अलावा सुरेंद्र चौधरी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। साथ ही सकीना इट्टू, जावेद राणा, जावेद डार और सतीश शर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली। अब्दुल्ला 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद तत्कालीन राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अब्दुल्ला का यह दूसरा कार्यकाल होगा। पहले कार्यकाल में वह 5 जनवरी, 2009 और 8 जनवरी, 2015 के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे। उमर अब्दुल्ला को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शपथ दिलाई। कहा जा रहा है उपराज्यपाल सिर्फ 4 चुने हुए विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला जी को बधाई। लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का सीएम बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला को बधाई। मुझे उम्मीद है कि राज्य में शासन की गति आगे बढ़ती रहेगी और उनकी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगी।

नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल के समक्ष किया सरकार बनाने का दावा, सौंपी विधायकों की सूची

चंडीगढ़ (आरएनएस)। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया है। नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल को अपने समर्थन में आए विधायकों की सूची भी सौंपी है।

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने सभी विधायकों का धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों ने उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है। विधायक दल की बैठक में अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया था। विधायक दल की बैठक में अमित शाह ने कहा, मुझे यह जानकर अत्याधिक प्रसन्नता हो रही है कि नायब सिंह सैनी को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया है और वह मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने जा रहे हैं।

इस बीच, वह विपक्ष पर भी हमलावर दिखे। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों द्वारा यह दुष्प्रचार किया गया कि किसानों के अन्याय हो रहा है। भाजपा के शासनकाल में किसानों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है। लेकिन, ऐसा नहीं है। हमारी सरकार में समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि अगर हिंदुस्तान में कोई ऐसा राज्य है, जो सभी 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदता है, तो हरियाणा है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी किसानों की फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा है। हमारी सरकार ने हमेशा से ही किसानों के हितों का विशेष ख्याल रखा है और आगे भी रखती रहेगी।

नायब सिंह सैनी 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं, उनके साथ कौन-कौन अन्य विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे। इस बारे में अभी तक कोई जानकारी प्रकाश में नहीं आ सकी है।

किसानों को सरकार का तोहफा, गेहूं व मसूर समेत रबी की 6 फसलों पर एमएसपी बढ़ाया

नई दिल्ली (आरएनएस)। कैबिनेट की बैठक में केंद्रीय कर्मचारियों के साथ-साथ मोदी सरकार ने किसानों को भी दिवाली का तोहफा दे दिया है। सरकार ने रबी फसल की MSP यानि न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। कैबिनेट में चने का MSP 210 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने का फैसला किया गया है। चने का नया MSP अब 5,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है जो पहले 5440 रुपए प्रति क्विंटल था।

वहीं सरसों की MSP 300 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाया गया है। सरसों का मौजूद MSP अभी 5650 रुपए प्रति क्विंटल था। जबकि नया भाव अब 5950 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है। गेहूं की MSP में भी 150 रुपए प्रति क्विंटल का इजाफा किया गया है। इसकी MSP 2275 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 2425 रुपए प्रति क्विंटल हो चुकी है। रबी फसल का सीजन अक्टूबर-नवंबर से लेकर मार्च-अप्रैल तक रहता है। इन फसलों में गेहूं, जौ, सरसों, चना आदि की खेती शामिल हैं। MSP के मायने उस रेट से होता है जिस पर सरकार किसानों से खरीदारी करती है। आज रबी फसल की MSP तय हो सकती है।

मुख्यमंत्री का निर्णय शासकीय कर्मचारियों को अब मिलेगा 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता

रायपुर (आरएनएस)। राज्य सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय ने दीपावली के पूर्व ही राज्य के शासकीय कर्मचारियों को दीपावली का बड़ा उपहार देते हुए उनके महंगाई भत्ते को सीधे 50 प्रतिशत किए जाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के बाद प्रदेश भर के हजारों-लाखों शासकीय कर्मचारियों को 1 अक्टूबर की तिथि से इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। राज्य सरकार ने प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों के हित में दीपावली के पूर्व बड़ा निर्णय लेते हुए हमने उनके मंहगाई भत्ता को 46 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किए जाने का निर्णय लिया है।

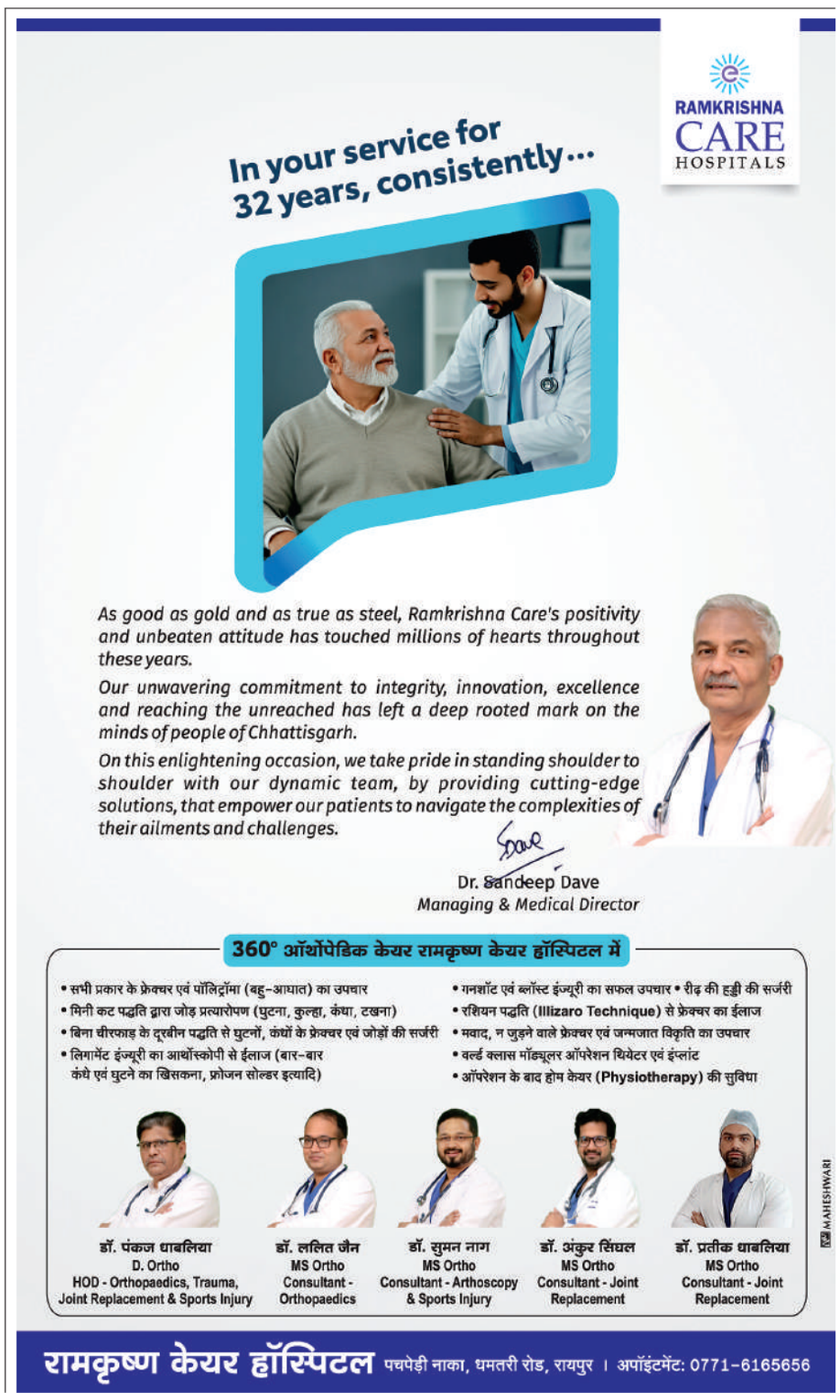

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ली बैठक

रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की दी जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज प्रदेश के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के लिए आदर्श आचार संहिता, निर्वाचन व्यय, मतदान के दिन की व्यवस्था और भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 15 अक्टूबर को रायपुर नगर (दक्षिण) विधानसभा उप-निर्वाचन के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। रायपुर नगर (दक्षिण) उप-निर्वाचन के लिए 13 नवम्बर को मतदान और 23 नवम्बर को मतों की गिनती होगी।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया कि निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचारसंहिता प्रभावशील हो गई है। उन्होंने बताया कि मतदान के लिए रायपुर नगर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 253 मतदान केंद्र हैं जो सभी शहरी क्षेत्र में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि 1500 से अधिक मतदाता संख्या वाले 13 मतदान केंद्रों में सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना कंगाले ने जानकारी दी कि आयोग के निर्देशानुसार मतदान केंद्रों में मतदाता भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र के साथ ही आयोग द्वारा अधिसूचित 12 अन्य तरह के पहचान पत्र दिखाकर मतदान कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि नामनिर्देशन के लिए अभ्यर्थी के मात्र 3 वाहन ही नामांकन केंद्र के 100 मीटर की परिधि में प्रवेश कर सकेंगे। नामनिर्देशन के लिए अभ्यर्थी सहित कुल 5 व्यक्ति ही नामांकन कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। श्रीमती कंगाले ने बताया कि आदर्श आचारण संहिता के उल्लंघन की शिकायत सी-विजिल एप के माध्यम से की जा सकती है। भारत निर्वाचन आयोग के सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से उम्मीदवार और राजनीतिक दल विभिन्न तरह की अनुमतियों के लिए आवेदन दे सकते हैं।

बैठक में राजनीतिक दलों एवं अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन के दौरान व्यय किए जाने की सीमा तथा व्यय लेखों के संधारण के संबंध में आयोग के निर्देशों की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। बैठक में बताया गया कि निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थी द्वारा किए जाने वाले निर्वाचन व्यय की सीमा 40 लाख रुपए होगी। बैठक में निर्वाचन अवधि के दौरान वाहनों व रैलियों की अनुमति की प्रक्रिया तथा इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों से भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री पी.एस. ध्रुव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विनय अग्रवाल और श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो तथा सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री रूपेश वर्मा और श्रीमती शारदा अग्रवाल सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

जहरीले रसायन युक्त खेती को रोकने काम कर रही मनोहर गौशाला : प्रमोद चौधरी

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री एमएसपी समिति के सदस्य प्रमोद चौधरी मनोहर गौशाला के रायपुर स्थित कार्यालय पहुंचे। इस दौरान मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने उनसे मुलाकात की। इस दौरान करीब आधे घंटे गोबर और गौ मूत्र से बनने वाले जैविक खाद पर विशेष चर्चा हुई। श्री चौधरी ने मनोहर गौशाला खैरागढ़ में गौ मूत्र पर चल रहे रिसर्च की बहुत सराहना की। उन्होंने सभी गौ पालकों और किसानों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि आने वाले समय में जहरीले रसायन युक्त खेती को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि मनोहर गौशाला में होने वाला कार्य देश में उदाहरण है। गोबर व गौ मूत्र से औषधियां और उत्पाद बनाने का जो कार्य किया जा रहा है, वह सराहनीय है। गौशाला में बना कीटनाशक शत-प्रतिशत सफल रहा है। उन्होंने गौशाला में इसी तरह से और अच्छे कार्य व रिसर्च होते रहें, इसकी शुभकामनाएं दीं। डॉ. अखिल जैन ने उनका 'गाय एक वरदान' किताब, फसल अमृत भेंट कर अभिनंदन किया।

कलेक्टर हरिस एस. ने शासकीय विभागों में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के स्क्रैप प्रक्रिया की समीक्षा की

जगदलपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री हरिस एस. द्वारा बुधवार को कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में जिले के अंतर्गत शासकीय विभागों में 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों के स्क्रैप प्रक्रिया की समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने 15 वर्ष से अधिक पुराने वाहनों को एमएसटीसी पोर्टल में पंजीयन कर 31 अक्टूबर 2024 तक अनिवार्य रूप से स्क्रैप घोषित करने सहित 15 नवम्बर 2024 तक ई-नीलामी की प्रक्रिया पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री हरेश मण्डावी, आरटीओ श्री डीसी बंजारे सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज डंगनिया रायपुर स्थित औषधालय में आज नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। प्रबंध निदेशक (उत्पादन) श्री एस.के.कटियार के मुख्य आतिथ्य में जांच शिविर का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर श्री कटियार ने इस शिविर के लिए औषधालय की टीम को शुभकामनाएं दी एवं अधिक से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को जांच शिविर का लाभ उठाने का आव्हान किया। शिविर में 104 लोगों ने आंखों की जांच कराई। जांच शिविर में डॉक्टर द्वारा मरीजों को साल में एक बार आंखों की जांच कराने की सलाह दी गई। पॉवर कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.एच.एल.पंचारी, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. निलेश सिंह एवं डॉ. श्वेता जैन के नेतृत्व में शिविर संपन्न हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री पंचारी ने बताया कि पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों को केशलेश स्वास्थ योजना के तहत नेत्र संबंधित सेवाओं का लाभ मिल रहा हैं। मोतियाबिंद, रेटिना, कार्निया, चश्में एवं दवाईयों की सुविधा को सीजीएचएस रेट पर प्राप्त किया जा सकता है। पॉवर कंपनी द्वारा आयोजित आज के शिविर में अधिकारी-कर्मचारी, पेंशनर, बच्चें एवं आश्रितजन लाभान्वित हुए।

मैट्स विश्वविद्यालय के स्टार्टअप नेक्सस क्लब द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। आज मैट्स विश्वविद्यालय के स्टार्टअप नेक्सस क्लब के द्वारा बिजनेस आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग के स्टार्टअप क्लब और प्रबंधन विभाग के मार्केटिंग क्लब द्वारा संयोजित किया गया था, जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर फर्स्टअप स्पेस स्टार्टअप हब के संस्थापक श्री करण डागा थे उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्टअप बिजनेस की बारीकियां से अवगत करवाया कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. उमेश गुप्ता ने स्वागत उद्बोधन दिया कार्यक्रम में मैट्स विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया, कुलपति प्रोफेसर डॉ के पी यादव, महानिदेशक श्री प्रियेश पगारिया, कुलसचिव श्री गोकुलानंद पांडा ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बहुत सारे बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किए गए और प्रतिभागियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित किए गए कार्यक्रम का समापन समूह चित्र और धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

PUBLIC NOTICE

NOTICE U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT 1932

M/s R.S. Construction having its place of business at VIKAS VIHAR COLONY RELIANCE OFFICE RAIPUR, Raipur (M Corp.+ OG), Raipur, Chhattisgarh is voluntary relocating to its new place of business located at Ward No.4, Village Post Deourgaon, Tehsil Saja, District Bemetara-491993, Saja (NP), Saja, Bemetara, Chhattisgarh.

The partners will carry out the firm on same terms as earlier.

For, M/s R. S. CONSTRUCTION
PARTNER

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा **कबीर नगर कालोनी**, रायपुर में निर्मित **एम. आई. जी.-I /21 कबीर नगर** भवन योजना के अतंर्गत दुकानों / भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड / भवन क्रमांक **एम.आई.जी. I/21 श्री बुद्धिराम दुबे पिता श्री रमाशंकर दुबे** को भाड़ाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 1-2-18 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 16-08-24 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन **श्रीमती शशी सिंह पति श्री मुन्ना कुमार सिंह** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15217/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 16-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15217
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235A00012** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GOVIND RAM S/O DHOLU RAM, RAJKUMAR S/O GOVINDRAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री राजकुमार नागदेव 2 श्री मुकेश नागदेव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो के पिता - स्व. श्री गोविंदराम नागदेव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर
(छ0ग0 शासन का एक उपक्रम) (कार्यालय न.सं.उ., छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कंपनी)
सी.आई.एल. U40108CT2003SGC015822, पता: क्वा. नं. 5 एवं 6, पावर हाउस कालोनी, सी.एस.ई.बी. कैम्पस, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
वेबसाईट-www.cspc.gov.in, ईमेल-eecitynorth.raipur@cseb.gov.in टेलीफोन नं.- 0771-2574753

सूचना

विद्युत लाईनों/उपकरणों के रख-रखाव लाईन मरम्मत के आवश्यक कार्य हेतु निम्नांकित फीडरों / उपकेन्द्र के सम्मुख दर्शाये गये तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी जिसके समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन संभव हैं। **असुविधा के लिये खेद हैं।**

क्र.	दिनांक एवं दिन	समय	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	17.10.2024, गुरुवार	सुबह 09:00 से दोपहर 03:00 बजे तक	33/11 KV भवानी नगर उपकेन्द्र	11 के.व्ही. साईंनाथ कॉलोनी फीडर, विकास नगर फीडर, टीचर्स कॉलोनी फीडर	साईंनाथ कॉलोनी, अनुव्रत विहार, विकास नगर, मानसरोवर रेसीडेंसी, टीचर्स, कॉलोनी,श्रीराम वाटिका एवं संबंधित अन्य क्षेत्र

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाइये ।
उपभोक्तागण विद्युत शिकायत के लिये विद्युत शिकायत केन्द्र गुढ़ियारी-2593892, खमतराई-2576317, टाटीबंध-2574755, कबीर नगर-2574024, केन्द्रीय काल सेन्टर-1912 में संपर्क कर एवं मोर बिजली एप डाउन लोडकर बिजली संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जनहित में विद्युत आपूर्ति हेतु लगाये गये विद्युत लाईन के नीचे / बगल से भवन/रोड/तालाब का निर्माण करना अवैधानिक हैं। अत: विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करे।

कार्यपालन अभियंता
नगर संभाग उत्तर
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि., रायपुर

SAMVAD- 41821/ 2

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी, दोंदेखुर्द में स्थित सीनियर **एल.आई.जी. भवन क्रमांक-388 श्री विरल रमेश चंद्र सोलंकी पिता श्री रमेश चंद्र सोलंकी,** को इस कार्यालय के नामांतरण आदेश कमांक 111 दिनांक 03.08.2021 को स्ववित्तिय / भाड़ाक्रय आधार पर नामातरित किया गया था।

वर्तमान में श्री विरल रमेश चंद्र सोलंकी पिता श्री रमेश चंद्र सोलंकी निवासी: मकान नंबर-495/1, सेक्टर-04/बी. गांधी नगर, गुजरात, के द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, विक्रय इकरारनामा, तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर नामांतरी द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री अश्वनी साहू पिता श्री घसिया राम साहू निवासी:- म.नं.-69, दुर्गा चौक, चोरभटठी, कोरासी, रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तिय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. बी-35, श्री संजय जयसिंघानी पिता श्री अशोक कुमार,** के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 5599 दिनांक 25.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 11.04.2013 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत दिनांक 07.03.2024 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त दुकान को **दानग्रहिता श्री कमल जयसिंघानी पिता श्री अशोक कुमार जयसिंघानी, निवासी- महाराणा प्रताप गार्डन के पास, श्याम नगर, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में दिनांक 11.06.2024 को दान कर दिया गया है। वर्तमान में दानग्रहिता **श्री कमल जयसिंघानी पिता श्री अशोक कुमार जयसिंघानी,** द्वारा उक्त दुकान को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नाम दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त दुकान के नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

सत्यमेव जयते
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
Govt. of India
Khadi India

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन निम्नानुसार किया जा रहा है -

दिनांक - 18.10.2024
स्थान: स्व. राजा विरेन्द्र बहादुर सिंह षासकीय महाविद्यालय, सरायपाली, जिला - महासमुंद
समय: 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत लोगों को जागरूक एवं स्वरोजगार के लिये प्रेरित करने हेतु उपरोक्तानुसार एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जागरूकता शिविर में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाहते हैं ऐसे इच्छुक व्यक्ति जागरूकता शिविर में सादर आमंत्रित है। जागरूकता शिविर में गैर सरकारी संगठन (NGO) पंचायती राज के सदस्य एवं स्वयं के रोजगार स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम में शामिल होकर पीएमईजीपी योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

निदेशक

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
प्रथम तल, गांधी भवन, केयूर भुषण स्मृति परिसर, कंकाली पारा, रायपुर (छ.ग.) 492001 फोन - 0771-2886428
E-mail :- soraipur.kvic@gov.in Website:www.kvic.org.in

सत्यमेव जयते
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
Govt. of India
Khadi India

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के अंतर्गत एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन निम्नानुसार किया जा रहा है -

दिनांक - 18.10.2024
स्थान: शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जिला - सक्ती
समय: 10:00 बजे से सायं 04:00 बजे तक

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के तहत लोगों को जागरूक एवं स्वरोजगार के लिये प्रेरित करने हेतु उपरोक्तानुसार एक दिवसीय जिला स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जागरूकता शिविर में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के बारे में विस्तृत जानकारी दी जायेगी। स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाहते हैं ऐसे इच्छुक व्यक्ति जागरूकता शिविर में सादर आमंत्रित है। जागरूकता शिविर में गैर सरकारी संगठन (NGO) पंचायती राज के सदस्य एवं स्वयं के रोजगार स्थापित करने के इच्छुक व्यक्ति सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम में शामिल होकर पीएमईजीपी योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

निदेशक

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
प्रथम तल, गांधी भवन, केयूर भुषण स्मृति परिसर, कंकाली पारा, रायपुर (छ.ग.) 492001 फोन - 0771-2886428
E-mail :- soraipur.kvic@gov.in Website:www.kvic.org.in

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./14358/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14358
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445K0010A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT. LAND - HORI LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMLAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HORI LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI HEMLAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH PATRA, RASID, MALMA BIKRINAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./14616/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14616
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445D00455** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **J.N. MORE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NIVRITI MORE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI DATINDER SINGH BHATIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI TARLOCHAN SINGH BHATIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15146/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15146
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802F00083** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PANCHAM PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHANAU RAM PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 MADHULATA PATEL 2 NABA. PRANJAL PATEL, ARADHYA PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PANCHRAM PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15143/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15143
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR68B0334A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMESH SINGH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. CHATTAR SINGH THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHAILENDRA CHAKRAWARTY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAND LAL CHAKRAWARTY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /15165/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15165
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I01586** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **A.D. PAWER** पिता/पति, श्री/श्रीमती **A.S. POWER** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAURAV MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAM CHAND MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12254/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12254
वार्ड का नाम- 70 - संत रविदास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR870F00163** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1 SAURABH JHUNJHUNWALA S/O SANTOSH JHUNJHUNWALA 2 ROSHNI JHUNJHUNWALA W/O SAURABH KUMAR JHUNJHUNWALA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR JHUNJHUNWALA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **THAKUR PRASAD SHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURENDRA PRASAD SHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. /14912/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14912
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104H00372** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1 ABDUL KASIM, 2 ABDUL HASIM 3 ABDUL NAJIM 4 ABDUL IRFAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ABDUL JABBAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भगवान सिंह पिता स्व. राम प्रसाद समृद्ध सिंह ठाकुर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **भगवान सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./14294/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14294
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445A0055A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL LAND SHIV KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEM LAL GAYAKWAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. ANAND BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O HEM LAL GAYAKWAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **...**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./13660/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 13-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 13660
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445K00094** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL MUKESH MANIKPURI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. DEVI DAS MANIKPURI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. ANNU BAI SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O VIRENDRA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH PATRA, RASID, MALMA BIKRINAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./14357/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14357
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445K00010** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAZUL SUKHNADAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMLAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUKHNANDAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O SHRI HEMLAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH PATRA, RASID, MALMA BIKRINAMA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 17 अक्टूबर 2024

प्रधान आरक्षक की पत्नी व पुत्री की हत्या करने वाले सभी दरिंदे पुलिस के चंगुल में

कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू अपने साथियों के सहयोग से घटने का दिया था अंजाम, प्रधान आरक्षक की सक्रियता से खाफथा शातिर बदमाश

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) हृदय विदारक घटना के संबंध में प्रेसवार्ता कर सूरजपुर पुलिस अधीक्षक एम आर आहिरे ने खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी कुलदीप साहू अपने साथी क्रमश: आर्यन विष्वकर्मा उर्फ गोल्डी, चन्द्रकांत चौधरी उर्फ सी.के. एवं रिंकू सिंह के साथ पुराने बस स्टैण्ड सूरजपुर पर बैठा हुआ था। लगभग रात्रि 9 बजे थाना सूरजपुर के आरक्षक धनष्याम सोनवानी पुराने बस स्टैण्ड की ओर गया जहां उसके द्वारा कुलदीप साहू को देखे जाने पर उसके जिला बदर रहने से आरक्षक द्वारा कुलदीप साहू को पकडने का प्रयास किया जिस पर कुलदीप साहू के द्वारा आरक्षक के ऊपर कडाही का खौलता तेल फेक कर गंभीर रूप से आहत कर दिया । आरोपी के धर पकड के लिये तत्काल थाना में उपलब्ध बल को एकत्रित किया गया जिसमें प्रधान आरक्षक तालिब शेख, प्र.आर. उदय सिंह व अन्य पुलिस कर्मी पुराना बस स्टैण्ड एवं थाना सूरजपुर के आसपास आरोपियों की पतासाजी कर रहे थे। इसी बीच आरोपी कुलदीप साहू द्वारा अपने साथियों आर्यन विष्वकर्मा उर्फ गोल्डी, चन्द्रकांत चौधरी उर्फ सीके, रिंकू सिंह के साथ रात्रि करीब 10 बजे पुलिसकर्मियों को स्वीफ्ट डिजायर कार क्रमांक सीजी 29 एडी 5666 में कुचलकर हत्या का प्रयास किया। पुलिस पार्टी द्वारा उक्त वाहन का पीछा करने का प्रयास किया गया परन्तु दुर्गा विसर्जन के कारण मार्ग पर भीड होने के कारण आरोपी अपने साथियों सहित पुलिस को चकमा देकर भाग निकलने में सफल रहा। घटना की सूचना एसएसपी सूरजपुर को प्राप्त होने पर उनके द्वारा आसपास थानों तथा रक्षित क्रेन्द्र से अतिरिक्त बल एकत्रित कर सायबर सेल की तकनीकी मदद तथा आरोपियों के संभावित स्थानों पर दबिष की तैयारी की जा रही थी।

पुलिस कर रही थी आरोपी की तलाश इधर शातिर बदमाश ने दे दिया घटना का अंजाम

पुलिस कप्तान आहिरे ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी की तलाश कर रही थी इसी बीच उसने जघन्य अपराध का अंजाम दे दिया। प्रधान आरक्षक तालिब शेख महगवां चौक स्थित अपने निवास पर गया जहां उसके घर की सीढ़ियों पर खून बिखरा हुआ था, जिससे उसे अनहोनी की आशंका हुई। घर के अंदर जाने पर प्रधान आरक्षक की पत्नी एवं नाबालिक पुत्री घर पर नहीं थे, घर में सामान बिखरा पड़ा था और अत्यधिक मात्रा में जगह-जगह खून के छीटे पड़े हुए थे। जिस पर प्रधान आरक्षक द्वारा तत्काल इसकी सूचना थाना में दी गई।

पुलिस द्वारा आरोपी कुलदीप साहू एवं उसके अन्य साथियों की पता तलाश किया जा रहा था इसी दौरान उक्त संदिग्ध स्वीफ्ट डिजायर कार के देखे जाने पर पुलिस द्वारा उसका पीछा कर घेराबंदी की कोशिश की गई किन्तु आरोपी पुलिस को चकमा देकर वहां से भाग निकलने में सफल रहा। थाना प्रभारी विश्रामपुर निरीक्षक अलरिक लकड़ा व पुलिस टीम के द्वारा वाहन का लगातार पीछा किया जा रहा था इसी दौरान ग्राम करवां, चौकी लटोरी के पास आरोपी द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग की गई जिसके जवाब में पुलिस बल द्वारा भी सुरक्षार्थ फायर किया गया परन्तु आरोपी रात्रि में अंधेरे होने का लाभ उठाकर गाड़ी छोडकर फरार हो गया।

घटना के दूसरे दिन 14 अक्टूबर को थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम पीढ़ा में 2 अज्ञात शव पड़ा हुआ है। जिस पर पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त प्रधान आरक्षक की पत्नी एवं नाबालिक पुत्री के रूप में की गई।सूचना पर एफएसएल अम्बिकापुर की टीम के द्वारा घटना स्थल का सूक्ष्मता से परीक्षण किया गया तथा घटना स्थल से खून से सने चाकू एवं मृतिका व उसकी पुत्री का खून लगे कपड़े भी बरामद किए गए है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज सरगुजा द्वारा सूरजपुर पहुंचकर मौके का जायजा लिये और घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों की

धरपकड़ के लिए कई पुलिस टीमों को लगाया और पूरी कार्यवाही की लगातार मानिटरिंग करते रहे। उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे के मार्गदर्षन में जिला सूरजपुर सायबर सेल तथा विभिन्न टीमें बनाकर आरोपियों के पतासाजी एवं दबिष हेतु टीम रवाना किया गया तथा तत्काल प्रकरण के संदेहियों तथा आरोपी के परिचितों को तलब कर कडाई से पूछताछ की गई। कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु रेंज स्तर से बल लगाकर शांति स्थापित किया गया।

बलरामपुर पुलिस ने किया आरोपी को यात्री बस से गिरफ्तार- आरोपी कुलदीप साहू को बलरामपुर पुलिस द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर को गढवा झारखण्ड से बस से आने के दौरान बलरामपुर में पकडा गया जिसे सूरजपुर पुलिस के द्वारा कड़ी सुरक्षा के बीच लाया गया।

बारीकी से पूछताछ पर आरोपी कुलदीप साहू ने घटना के सहयोगी आर्यन विष्वकर्मा उर्फ गोल्डी, चन्द्रकांत चौधरी उर्फ सी.के. एवं रिंकू सिंह के साथ मिलकर आरक्षक 734 धनष्याम सोनवानी पर गर्म तेल फेकना, पुलिसकर्मियों को गाडी से कुचलने का प्रयास करना, प्रधान आरक्षक तालिब शेख के घर जाकर उसकी पत्नी व बच्ची के ऊपर प्राणघातक हमला कर नृशंस तरीके से हत्या करना तथा शव को ग्राम पीढा थाना सूरजपुर में फेक कर साक्ष्य छुपाने के लिए गाडी धोने का कृत्य करना तथा आरोपी कुलदीप साहू द्वारा भागने के दौरान पुलिस बल पर फायर कर भागने की बात स्वीकारी है। इसके अतिरिक्त 1 अन्य आरोपी सूरज साहू द्वारा आरोपियों को गांव से भागने में मदद करना भी बताया है। आरोपियों के निषानदेही पर घटना कारित करने के दौरान खून लगे कपडे तथा चप्पल जप्त किया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला एवं बच्ची के साथ आनाचार की पुष्टि नहीं- मृतिका एवं उसकी पुत्री के शवों के पीएम पर धारदार चाकू से गोदकर हत्या किया जाना पाया गया। चिकित्सीय परीक्षण में प्रथम दृष्टया मृतिका एवं उसकी पुत्री के साथ अनाचार की संभावना से इंकार किया गया है और अग्रिम चिकित्सीय परीक्षण के लिए स्लाईड जप्त कर जांच हेतु भेजा गया है, जिसकी परीक्षण रिपोर्ट अप्राप्त है। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सूरजपुर नगर में आतंक का पर्यटन बना हुआ है कुख्यात उसके खिलाफ मुंह खोलने को कोई तैयार नहीं- उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को कुलदीप साहू पिता अशोक साहू उम्र 25 वर्ष ग्राम पुराना बाजारपारा सूरजपुर जो थाना सूरजपुर का गुण्डा बदमाश है जिसके विरूद्ध कोतवाली सूरजपुर में कई अपराधिक प्रकरण पंजीबद्व है तथा जिला बदर की कार्यवाही भी की गई थी जिसका उल्लघन करने पर इसके खिलाफ छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम तथा धारा 188 भा.द.वि. के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था जिस प्रकरण में जमानत पश्चात् जिले से बाहर था। आरोपी कुलदीप साहू के द्वारा जिला बदर के प्रकरण में जमानत मिलने पश्चात् प्रार्थी पुनित सोनी के साथ मारपीट करने के संबंध में कोतवाली सूरजपुर में अपराधिक प्रकरण क्रमांक 364/2024 धारा 294, 506, 341, 327 भादवि. पंजीबद्ध किया गया था जो आरोपी के फरार एवम् जिला बदर होने से पता तलाश की जा रही थी। कुलदीप साहू के भाई संदीप साहू के द्वारा 7 अक्टूबर को मारपीट व लूट का अपराध कारित करने पर अपराध क्रमांक 557/2024 धारा 309(6), 296(बी), 115(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्व कर दिनांक 11.10.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। इसके साथ ही आरोपी कुलदीप साहू के चाचा संजय साहू के विरूद्ध भी जिला बदर की कार्यवाही की गई थी जिसका उल्लघन करने पर छ0ग0 राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था जो जेल में निरूद्ध है। आरोपी कुलदीप साहू के पिता अषोक साहू के विरूद्ध जिला बदर का प्रकरण जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जिसमें अंतिम आदेश पारित होना शेष है। उक्त कार्यवाहियों से कुलदीप साहू पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के प्रति गुस्सा एवम् त्वरित बदला लेने के फिराक में था। 16 अक्टूबर को आरोपीगणो को गिरफ्तार कर आरोपी कुलदीप साहू का पुलिस रिमांड का आवेदन तैयार किया गया है तथा रिमांड प्राप्त कर अपराध कारित करने में उपयोग किये फायर आर्म्स की जप्ती पृथक से किया जाना है। प्रकरण में एफएसएल यूनिट, डाग स्क्वार्ड, प्रिगंर प्रिंट एक्सपर्ट के सहयोग से वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन की कार्यवाही की गई है। इन मामलों में अन्य आरोपियों की संलिप्तता के बारे में विवेचना की जा रही है। इस कार्यवाही सूरजपुर के सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित जिला बलरामपुर पुलिस की टीम सक्रिय रही।

कुख्यात के आरोपी के खिलाफ कई धाराओं में की गई है कार्रवाई

(आरक्षक के ऊपर खौलता तेल फेंक कर गंभीर रूप से आहत करने के मामले में थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 573/2024 धारा 296(बी), 351(3), 221, 132, 118, 121(2), 109(1) बीएनएस 3(1)(आर-एस), 3(2)(अ.) एससीएसटी एक्ट का पंजीबद्ध किया गया है।थाना सूरजपुर के सामने पुलिसकर्मियों को स्वीफ्ट कार से कुचलने कर मार डालने का प्रयास करने पर अपराध क्रमांक 574/24 धारा 221, 132, 109(1) बीएनएस पंजीबद्ध , प्रधान आरक्षक के घर पर जाने जहां घर लहु-लुहान होने, पत्नी व पुत्री के घर में नहीं मिलने, अपहरण एवं अनहोनी की आशंका होने पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 575/2024 धारा 137(1), 138, 140(1) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में पृथक से धारा 331(6), 238, 103(1), 61(2) बीएनएस जोड़ी गई है, आरोपी कुलदीप साहू के पुलिस टीम पर अवैध हथियार से फायरिंग कर जान से मारने का प्रयास करने पर थाना जयनगर में अपराध क्रमांक 218/2024 धारा 109(2) बीएनएस 25, 27 आर्म्स एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया गया है।

दिल दहलाने वाले, घिनौना कृत का अंजाम देने वाले ये है आरोपी- कुलदीप साहू पिता अशोक साहू उम्र 28 वर्ष ,आर्यन विश्व कर्मा उर्फगोल्डी पिता संजय विष्व कर्मा उम्र 20 वर्ष,फुल्ल सिंह उर्फ रिन्कू सिंह पिता स्व. गनपत सिंह उम्र 28 वर्ष सभा निवासी पुराना बाजारपारा सूरजपुर, थाना सूरजपुर ,चन्द्रकात चौधरी उर्फ सिके पिता शिव प्रसाद चौधरी उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम नेवरा, थाना सूरजपुर , सूरज साहू पिता स्व. राजाराम साहू उम्र 23 वर्ष ग्राम करंवा, चौकी लटोरी शामिल है।

कलेक्टर ने की जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

महासमुंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की वृहद समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में कोई भी अप्रिय स्थिति निर्मित न होने पाए इसके लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन अतिरिक्त सतर्कता बरतें। आने वाले त्योहारी सीजन में सभी थानों में शांति समिति की बैठक आहूत की जाए। जिससे शांति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण निर्मित रहें। उन्होंने कहा कि किसी भी संभावित परिस्थिति के लिए अलर्ट रहें। साथ ही कहा कि कार्यक्रमों के आयोजन में गरिमा का ध्यान रखते हुए अश्लील और फुहड़ता से दूर रहें। उन्होंने कहा कि नागरिकों और प्रशासन के बीच आपसी विश्वास का रिश्ता मजबूत रहें। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध माइनिंग उत्खनन भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी नियमानुसार कार्रवाई करें। निरीक्षण के लिए अनुविभाग स्तर पर टास्क फोर्स गठन करने के भी निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि मजिस्ट्रियल ड्यूटी के दौरान अधिकारी फील्ड में स्वयं उपस्थित रहकर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि आबकारी और पुलिस की टीम हाईवे ढाबा पर नियमित पेट्रोलिंग करते रहें। ढाबों या दुकानों में शराब की अवैध बिक्री पर कड़ी कार्रवाई करें। लंगेह ने कहा कि त्यौहारी सीजन में मिठाई दुकानों में भी सैम्पल लेकर मिलावट या मापदंड के अनुरूप नहीं पाए जाने पर कार्रवाई करते रहें। कलेक्टर ने कहा कि फटाखा दुकानों के लिए ऐसे जगह पर फटाखा दुकान खोलने की अनुमति दी जाए जहां सुरक्षा के मानकों का पालन किया जा सकें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को विशेष रूप से निगरानी करने के निर्देश भी दिए हैं। साथ ही व्यवसायियों से निर्धारित सीमा रेखा के भीतर ही दुकान लगाने के लिए निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिभा पांडेय एवं सभी अनुविभागीय अधिकारी, खनिज एवं आबकारी विभाग भी मौजूद थे।

असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस की नवीन कार्यकारिणी घोषित

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- बिश्रामपुर -अखिल भारतीय असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के छत्तीसगढ़ कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक बोरकर के निर्देशनुसार एवं छत्तीसगढ़ असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस सरगुजा लोकसभा प्रभारी एवं प्रदेश महासचिव तपन सिकदार के अनुशंसा उपरांत संगठन के सूरजपुर जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा ने जिला एवं ब्लाक कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।जिसमे तीन जिला उपाध्यक्ष, एक जिला महासचिव सहित छह लोगो को जिला सचिव बनाया गया है।नवीन घोषित कार्यकारिणी में रियाज अहमद खान , हीरालाल राजवाड़े व ज्योत सिंह को जिला उपाध्यक्ष की जवाबदारी सौंपी गई है।जबकि निर्मल साहू को जिला महासचिव व अमरदीप कुमार, रतनलाल साहू, तरुण प्रधान, सर्वजीत गुप्ता,अब्दुल रशीद, गोपाल विश्वास को जिला सचिव नियुक्त किया गया है। वही राम भरोश टेकाम को जिला प्रवक्ता

बनाया गया है साथ ही ब्लॉक कार्यकारिणी में आशीष सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष सूरजपुर बीर सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमनगर, दिब्या देवांगन ब्लॉक अध्यक्ष रामानुजनगर, विदेश देवांगन ब्लॉक अध्यक्ष सलका, रविशंकर गुर्जर ब्लॉक अध्यक्ष ओड़गी, सुनील कुमार कैवर्त ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान,राजेश जायसवाल ब्लॉक अध्यक्ष बिहारपुर,आनंदी लकड़ा ब्लॉक अध्यक्ष लटोरी,हरि कुशवाहा

ब्लॉक अध्यक्ष प्रतापपुर एवं इसके अलावा किशन विश्वास को लटोरी का ब्लॉक उपाध्यक्ष,आकाश मंडल को लटोरी का ब्लॉक सचिव नियुक्त किया है।साथ ही जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा द्वारा सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को संगठन का विस्तार करने एवं सम्बंधित क्षेत्र के असंगठित कामगारो के कल्याण एवं उत्थान हेतु कार्य करने निर्देषित किया गया है

संक्षिप्त समाचार

ऑटो चालक की सिर कुचलकर हत्या

बिलासपुर(विश्व परिवार)। सरकंडा थाना क्षेत्र के चिंगराजपारा के सेजेस स्कूल परिसर में एक युवक की लाश मिलने के बाद से ही सनसनी फैल गई। थाना से चंद कदम की दूरी पर स्थित स्वामी आत्मानंद सकूल चिंगराजपारा के प्रांगण में रिक्शा चालक की लाश मिली है। सूत्रों ने बताया कि लिंगियाडीह के दुर्गा नगर सब्जी बाजार के पास रहने वाले सत्यनारायण यादव 37 वर्ष ऑटो चलाकर अपना परिवार चलाता था और किराए के मकान में रहता था। बीती रात स्कूल भवन के पास उसकी हत्या कर शव फेंक दिया गया। आज सुबह स्कूल खुलने के बाद एक रक्तरंजित शव देख स्कूल स्टॉफ भी भयभीत हो गया और तत्काल इसकी सूचना सरकंडा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुलिस को पता चला है कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतक के सिर को पत्थर से कुचला गया। घटना स्थल से मृतक की ई-रिक्शा और उसका गमछा आदि बरामद किया गया है।

करंट की चपेट में आकर दो ग्रामीण युवकों की मौत

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेला में कल देर शाम उस वक्त सनसनी फैल गई जब दो ग्रामीण युवकों की करंट से मौत होने की खबर आम हुई। बताया जा रहा है कि गांव से गुजरे 11 केवी करंट प्रवाहित तार से किसी ग्रामीण के द्वारा शिकार करने के लिए जीआई तार आम चालू रास्ते पर घोर लापरवाही पूर्वक बिछाया (खींचा) गया था। यह तार बहुत महीन और जमीन से लगा था। इसी रास्ते से मोटरसाइकिल पर सवार होकर ग्राम टापरा की ओर से बेला आ रहे दो युवक नारायण कंवर पिता करम सिंह 35 वर्ष व टिकेश्वर राठिया पिता बृजलाल 32 वर्ष दोनों निवासी ग्राम बेला उक्त तार के संपर्क में आ गए और बुरी तरह झुलस कर दोनों का करुणान्त मौके पर ही हो गया। हादसे की खबर फैलते ही गांव में खलबली मच गई है। सूचना पर बालको थाना में पदस्थ एएसआई माखन लाल पात्रे, प्रधान आरक्षक लक्ष्मीकांत खरसन मातहतों के साथ घटनास्थल पहुंचे। मौके तक चारपहिया वाहन जाने का रास्ता नहीं है। पुलिस किसी तरह घटनास्थल पहुंची और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए रात करीब 10.45 बजे पंचनामा बाद शव को जिला अस्पताल के लिए रवाना किया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरपालिका के आम व उप निर्वाचन, निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में लिया गया प्रेस कांफ्रेंस

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरपालिका के आम व उप निर्वाचन 2024-25 हेतु निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण किये जाने का कार्यक्रम जारी किया गया है, जो वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। नगरपालिकाओं के लिए प्रारंभिक निर्वाचक नामावली प्रकाशन 16 अक्टूबर 2024 एवं त्रिस्तरीय पंचायत हेतु प्रारंभिक निर्वाचक नामावली प्रकाशन 24 अक्टूबर 2024 निर्धारित है। निर्वाचक नामावली कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु आज कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। जिसमें त्रिस्तरीय पंचायत एवं नगरपालिका के आम व उप निर्वाचन 2024-25 के बारे विस्तृत जानकरी दी गई।

नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2024, 01 जनवरी 2024 की स्थिति में तैयार की गई निर्वाचक नामावली का नगरपालिका परिषद् सूरजपुर के सभी 18 वार्डों एवं नगर पंचायत विश्रामपुर भटगांव, जरही व प्रतापपुर के सभी 15-15 वार्डों के मतदान केन्द्रों में निर्वाचक

नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर 23 अक्टूबर 2024 तक छत्तीत्तगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर के निर्देशानुसार दाया/आपत्तियां प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ है। नगरपालिका परिषद् सूरजपुर एवं नगर पंचायत विश्वानपुर, भटगांव, जरही व प्रतापपुर के सभी गणमान्य नागरिकों/आम जनता/मतदाताओं से आग्रह है कि वे अपने-अपने वार्ड के मतदान केन्द्रों/नगरीय निकायों/संबंधित तहसील कार्यालयों एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालयों में उपलब्ध मतदाता सूची का भली भांति अवलोकन/वाचन कर यह सुनिश्चित कर लेवें कि उनके एवं उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम जो वोट देने के लिए पात्र हैं, मतदाता सूची में अंकित है एवं संबंधित वार्ड में ही है और सही है, यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो उसके सुधार हेतु तत्काल अपने मतदान केन्द्र में उपलब्ध प्राधिकृत कर्मचारी के समक्ष त्समुचित कार्यवाही करें। संबंधित वार्ड के मतदान केन्द्र में उपलब्ध मतदाता सूची में परिवर्धन/संशोधन/विलोपन (नाम जोड़ना/नाम सुधारना/नाम काटना) का कार्य किया जा रहा है। संबंधित मतदान केन्द्र में नाम जोड़ने/नाम काटने एवं नाम में हुई त्रुटि का सुधार करने का कार्य 23 अक्टूबर 2024 (बुधवार) अपरान्ह 03:00 बजे तक एवं नये मतदाता का नाम जोड़ने का कार्य 04 नवंबर 2024 (सोमवार) तक किया जाएगा।

निर्वाचक नामावली शुद्ध एवं त्रुटि रहित बने इसके लिए आप सभी का सहभागी होना आवश्यक है, साथ ही अपने परिवार, मित्र एवं आस पड़ोस के लोगों को भी इस कार्य हेतु जानकारी देकर, निर्वाचक नामावली (मतदाता सूची) में नाम जोड़वाने हेतु प्रेरित कर जागरूक मतदाता होने का परिचय देवें।

संपादकीय

कांग्रेस की नीतियां और आतंकवाद...

योगेंद्र योगी

जम्मू-कश्मीर में कुछ आतंकी वारदातों के सिवाय देश में कहीं भी बम धमाके नहीं हुए। इसमें महत्वपूर्ण सफलता धारा 370 हटने के बाद मिली, जिससे पत्थरबाजी खत्म होने के साथ विकास की नई इबारत लिखी गई। क्या कांग्रेस इतिहास से कोई सबक सीखेगी सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो, कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी की झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाकपरस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी से सिमट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई है। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं, बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है। नक्सल आतंकवाद का उदय पश्चिमी बंगाल से कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ था। यह फैलते हुए देश के करीब आठ राज्यों में तक पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर राज्यों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें नक्सलियों की रोकथाम करने में विफल रही। केंद्र और राज्य मिलकर काम नहीं कर सके। नक्सली देश के लिए नासूर बन गए। मौजूदा केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने खून-खराबा करने वाले नक्सलियों को जड़ से उखाड़ने की ठान ली है। नक्सली प्रभावित राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर भी आतंकवाद की आग में अभी तक सुलग रहा है। इस अशांत केंद्रशासित प्रदेश में आजादी के बाद से ही नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का शासन रहा है। केंद्र की कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की सरकार आतंकियों को सबक सिखाने में पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान की शह पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाया। नेशनल कान्फ्रेंस, कांग्रेस और दूसरे क्षेत्रीय दल आतंकियों के प्रति नरम रवैया रखते रहे। आतंकियों के समर्थन में पत्थरबाजी की घटनाओं ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। धारा 370 और 35-ए के कारण विशेष दर्जा प्राप्त इस प्रदेश में यह कानून आंतकियों की ढाल बनता रहा है। आतंकी वारदातों के बावजूद कांग्रेस ने कभी भी इस कानून को खत्म करने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत मुस्लिम वोटों के कारण कांग्रेस कभी भी भाजपा जैसी सख्ती नहीं दिखा पाई। नौबत यह आ गई कि पाकपरस्त आतंकी संगठनों ने केंद्र में कांग्रेस के शासन के दौरान देश में बम धमाके करके कानून-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार की नाकामी और ढुलमुल सुरक्षा नीति के कारण देश की सुरक्षा व्यवस्था लगभग चौपट हो गई। पाकपरस्त आतंकियों के हौसले इतने बढ़ गए कि 13 दिसंबर, 2001 को दिल्ली के संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 174 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें 20 सुरक्षा बल कर्मी और 26 विदेशी नागरिक शामिल थे। डेढ़ दशक पहले तक आतंकियों ने कहर बरपा रखा था। कांग्रेस केंद्र और ज्यादातर राज्यों में सत्ता में रहने के बावजूद आतंकियों का खात्मा नहीं कर सकी। देश में आतंक का यह हाल था कि 2006 में देश के 608 जिलों में से कम से कम 232 जिले विभिन्न तीव्रता स्तर के विभिन्न विद्रोही और आतंकवादी गतिविधियों से त्रस्त थे। अगस्त 2008 में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एमके नारायणन का कहना था कि देश में 800 से अधिक आतंकवादी गुट सक्रिय हैं। 1980 के दशक में पंजाब में उग्रवाद ने जोर पकड़ लिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार की गलत नीतियों के कारण लंबे अर्से तक पंजाब आतंकवाद की आग में धधकता रहा। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप न सिर्फ हजारों निर्दोष लोग मारे गए, बल्कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए इंदिरा गांधी को जान से हाथ धोना पड़ा। पंजाब में दर्जनों कांग्रेस नेताओं को भी अपनी जान गंवा कर खालिस्तानी आतंकवाद की कीमत चुकानी पड़ी। पंजाब की तरह पूर्वोत्तर को संभालने में केंद्र की कांग्रेस सरकार विफल रही। इन राज्यों की समस्याओं का समाधान कांग्रेस नहीं कर सकी। दशकों तक पूर्वोत्तर क्षेत्रीय आतंकियों की मार झेलता रहा। नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड, इसाक मुइवा ने एक स्वतंत्र नागालैंड की मांग करते हुए क्षेत्र में भारतीय सेना के ठिकानों पर कई हमले किए। सरकारी अधिकारियों के अनुसार 1992 से 2000 के बीच 599 नागरिकों, 235 सुरक्षा बलों और 862 आतंकवादियों ने अपनी जान गंवाई। आतंकियों की इन करतूतों से साबित है कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार हालात पर नियंत्रण नहीं पा सकी। भाजपा ने केंद्र में दस साल पहले सत्ता संभालते ही देश के किसी भी हिस्से में मौजूद आतंकवाद के खात्मे को प्राथमिकता पर रखा। केंद्र की आंतरिक सुरक्षा नीतियों की बदौलत पूर्वोत्तर में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लग सका। भाजपा सरकार की सख्त सुरक्षा नीतियों के कारण पाकपरस्त आतंकियों के हौसले पस्त हो गए। जम्मू-कश्मीर में कुछ आतंकी वारदातों के सिवाय देश में कहीं भी बम धमाके नहीं हुए। इसमें महत्वपूर्ण सफलता धारा 370 हटने के बाद मिली, जिससे पत्थरबाजी खत्म होने के साथ विकास की नई इबारत लिखी गई। सवाल यही है कि क्या कांग्रेस आतंकवाद और कानून-व्यवस्था को लेकर इतिहास से कोई सबक सीखेगी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस के साथ सत्ता में आई कांग्रेस के लिए इस प्रदेश में शांति कायम रखना किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है।

भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र.....

मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है। वर्धमान ग्रुप के 82 वर्षीय चेयरमैन के साथ हुई घटना ने भारत में बढ़ते साइबर अपराध की ओर ध्यान खींचा है। चेयरमैन एसपी ओसवाल के साथ लगभग 6.9 करोड़ रुपये की ठगी हुई। ठगों ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट की नकली ऑनलाइन सुनवाई में बुलाया और जेल भेजने की धमकी देकर उनसे यह रकम ट्रांसफर करवा ली। हालांकि हाल में डिजिटल और ऑनलाइन धोखाधड़ी के अनगिनत मामले सामने आए हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का नाटक कर ठगने की बात पहले कभी नहीं सुनी गई थी। ऑनलाइन कोर्ट सुनवाई में एक व्यक्ति प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ बन कर पेश हुआ। इसी दौरान उनसे कहा गया कि जांच के हिस्से के रूप में वे 6.9 करोड़ रुपये एक खाते में जमा करा दें। कुछ समय पहले भारत सरकार ने साइबर अपराधों के बारे में चेतावनी जारी की थी। गृह मंत्रालय ने कहा था कि संभव है ऐसी घटनाओं को सीमा पार स्थित आपराधिक गिरोह अंजाम दे रहे हों। एनसीआरबी के मुताबिक 2021 में भारत में साइबर अपराध के 52,974 मामले दर्ज हुए। 2022 में इनमें लगभग 24 फीसदी बढ़ोतरी हुई और कुल 65,893 मामले दर्ज हुए। ब्रिटेन की ऑक्सफॉर्ड यूनिवर्सिटी के समाजशास्त्र विभाग के शोधकर्ताओं ने इसी साल दुनिया का पहला साइबर क्राइम इंडेक्स जारी किया। उसमें भारत को खास जगह मिली। %मैपिंग ग्लोबल जियोग्राफी ऑफ साइबर क्राइम विद द वर्ल्ड साइबर क्राइम इंडेक्स' शीर्षक से जारी शोध रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि कहां साइबर अपराध सबसे ज्यादा हो रहे हैं। इस सूची में 15 देशों के नाम हैं, जिसमें भारत दसवें स्थान पर आया है। हालांकि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराध की घटनाओं को विदेश से अंजाम दिए जाने का संदेह जताया है, लेकिन ऐसी मीडिया रिपोर्टें हैं, जिनके मुताबिक भारत के कई शहर साइबर अपराधियों का केंद्र बन गए हैं। छोटी-मोटी घटनाएं तो रोजमर्रा के स्तर पर हो रही हैं। असल मुद्दा यह है कि सरकार की साइबर अपराध निरोधक एजेंसियां इन्हें रोकने में कामयाब क्यों नहीं हुई हैं?

आलेख

अगली सदी की गाथा और अर्थव्यवस्था पर प्रभुत्व के लिए भारत की कुंजी

अनुराग सक्सेना

पश्चिमी देशों ने नवाचार, बौद्धिक संपदा (आईपी) और तकनीकी प्रगति पर सदियों से अपना फोकस निरंतर बनाए रखने का लाभ उठाया है। अक्सर विनिर्माण और सेवा की तुलना में सृजन को महिमामंडित करके, इन देशों ने न केवल अपने आविष्कारों का आर्थिक लाभ प्राप्त किया है, बल्कि अपनी अवधारणाओं को वैश्विक स्तर पर निर्यात भी किया है। इन उपायों से वे आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका ने इंटरनेट, फार्मास्यूटिकल और एयरोस्पेस जैसी विघटनकारी तकनीकों के माध्यम से उद्योग जगत को बदल दिया। इसके परिणामस्वरूप, उनके उत्पादों और सेवाओं की वैश्विक मांग पैदा हुई। इसी तरह, यूरोपीय देशों ने इंफ्रास्ट्रक्चर (जैसे- रेलमार्गों के आर्थिक लाभ), ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग और लक्जरी सामान जैसे क्षेत्रों में नेतृत्व किया है, जहां नवाचार और बौद्धिक संपदा (आईपी) उनके वैश्विक प्रभुत्व के मूल में हैं। इसके विपरीत, भारत और चीन जैसी अर्थव्यवस्थाओं ने ऐतिहासिक रूप से विनिर्माण और सेवाओं पर अपने विकास को टिकाया है। यह दोनों ही क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के परिदृश्य में निचले स्थान पर हैं। यह दृष्टिकोण, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी होने के बावजूद, नवाचार या आईपी सृजन को प्राथमिकता नहीं देता है। वास्तव में बौद्धिक संपदा आर्थिक लाभ उठाने योग्य है। यही कारण है कि ये देश उन्नत प्रौद्योगिकियों के निर्माता बनने के बजाय उपभोक्ता बन गए हैं। हालांकि, चीन ने हाल के वर्षों में इस मॉडल को तोड़ दिया है। इसने नवाचार, बौद्धिक संपदा और तकनीकी प्लेटफार्मों में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। देश ने दूरसंचार, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों का विकास किया है। हुआवेई, टिकटोक और टेंसेंट जैसी वैश्विक दिग्गज कंपनियां इसके उदाहरण हैं। इन प्रयासों ने चीन की घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। इतना ही नहीं, इसे एक मजबूत वैश्विक निर्यातक के रूप में स्थापित किया है, और इसे दुनिया भर के अमूल्य डेटा तक पहुंच प्रदान की है। दूसरी ओर, भारत ने एक अलग तीव्र प्रगति का अनुसरण किया। उत्पादीकरण और प्रौद्योगिकी निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, भारत संपर्क केंद्रों, वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) और आईटी सेवाओं का पर्याय बन गया। इस स्थिति ने भारत को दुनिया का बैकरूम का नाम दिया। यह एक ऐसी भूमिका है, जिसने आर्थिक रूप से लाभकारी होने के बावजूद, नवाचार और उच्च-मूल्य प्रौद्योगिकी निर्माण के मामले में देश को पिछड़ा बना दिया। जबकि भारत ने सेवाएं प्रदान करने में उत्कृष्टता हासिल की, इसने अक्सर अन्य देशों के नवाचार और उत्पाद विकास से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व करने के बजाय उनका समर्थन किया। हालांकि, पिछले दशक में भारत के वैश्विक रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया है। भारत एक भू-राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरा है और इसने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत दिखाई है। कूटनीतिक रूप से, भारत ने वैश्विक मंच पर एक अधिक मुखर स्थिति अपनाई है, अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी कायम की है। भू-राजनीतिक क्षेत्र में, भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है और क्वाड जैसी पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ताकि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। व्यापार के मोर्चे पर, भारत ने व्यापार सौदों पर फिर से बातचीत की है और इसे खासकर कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक व्यवधानों के मद्देनजर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक महत्वपूर्ण हस्ती के रूप में देखा जा रहा है। यह नई मुखरता इस बात को निहित करती है कि भारत का क्रिएट इन इंडिया पर वर्तमान ध्यान समयोचित और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्यों है। नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करके, भारत आर्थिक रूप से और सॉफ्ट पावर के मामले में, अगली सदी पर प्रभुत्व कायम करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है। आर्थिक रूप से, सृजन पर ध्यान केंद्रित करने से भारत मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठ सकेगा, अपनी बौद्धिक संपदा पर अधिक लाभ अर्जित कर सकेगा और विदेशी प्रौद्योगिकियों पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा।

कांग्रेस कमाल की पार्टी रोने बिसूरने में लगी

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस कमाल की पार्टी हो गई है। चुनाव हारते ही वह इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम और चुनाव आयोग को कोसना शुरू कर देती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि ईवीएम को लेकर सवाल नहीं हैं या चुनाव आयोग की भूमिका पक्षपातपूर्ण नहीं है। चुनाव आयोग की तटस्थता और निष्पक्षता तो काफी पहले तिरोहित हो चुकी है। लेकिन हर बार कांग्रेस के चुनाव हारने का कारण यही नहीं होता है। कांग्रेस हर बार अलग अलग कारणों से हारती है, जिनमें से कुछ कांग्रेस की अपनी राजनीति से जुड़े होते हैं तो कुछ देश की राजनीति और समाज व्यवस्था में आ रहे बदलावों से जुड़े होते हैं। तभी हरियाणा में कांग्रेस की हार के कारणों को ज्यादा गहराई से समझने की जरुरत है। इसे लेकर कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम जो नैरेटिव बना रहा है उसका कोई मजबूत आधार नहीं है। वह सिर्फ पार्टी नेतृत्व को जिम्मेदारी से बचाने, अपनी गलतियों पर परदा डालने और अपने समर्थकों की आंख में धूल झोंकने का एक प्रयास है। साथ ही यह इस बात का भी संकेत है कि कांग्रेस देश की सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था में हुए व्यापक परिवर्तनों की बारीकी को समझ नहीं पाई है या समझ कर भी कबूतर की तरह आंख बंद कर रही है ताकि खतरा नहीं दिखाई दे। सबसे पहले ईवीएम की ही बात करें तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि ईवीएम में इस तरह की छेड़छाड़ की गई कि कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़े और उसकी सीटें भी बढ़े लेकिन वह चुनाव हार जाए? ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में 28 फीसदी वोट मिले थे, जो इस बार बढ़ कर 39 फीसदी से ज्यादा हो गया है। यानी उसके वोट प्रतिशत में 11 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसके मुकाबले भारतीय जनता पार्टी का वोट तीन फीसदी बढ़ा है। पिछले चुनाव में भी उसका वोट तीन ही फीसदी बढ़ा था। कांग्रेस 10 सीटें बागी होकर चुनाव लड़े निर्दलीय उम्मीदवारों के कारण हारी है। तीन सीटों पर इंडियन नेशनल लोकदल और एक सीट पर बसपा को मिले वोट की वजह से कांग्रेस हारी है और पांच सीटों पर आम आदमी पार्टी को मिले वोट के कारण हारी है। एक सीट पर तो कांग्रेस सिर्फ 32 वोट से हारी, जहां आम आदमी पार्टी को ढाई हजार वोट आया। तो क्या कांग्रेस यह कहना चाह रही है कि यह सब बहुत गहरी साजिश का हिस्सा है? इतनी बारीकी से एक एक सीट पर एक एक ईवीएम को इस तरह से मैनेज किया गया कि कांग्रेस का वोट भी बढ़े, निर्दलियों के भी वोट बढ़ें, आम आदमी पार्टी को भी वोट आए और कांग्रेस की हार ऐसी है, जो कम से कम तकनीकी रूप से विश्वसनीय दिखे? पता नहीं क्यों कांग्रेस नतीजे के राजनीतिक पहलू को नहीं देखना चाह रही है। राजनीतिक हकीकत यह है कि भाजपा ने माइक्रो प्रबंधन के तहत बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों को खड़ा कराया और उनको चुनाव लडने में मदद की। ऐसी कोई रणनीति कांग्रेस नहीं बना सकी। इतने दो धरुवीय चुनाव में निर्दलीय व अन्य को 12 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। दूसरे, यह संयोग कहें या प्रयोग लेकिन हरियाणा में कांग्रेस के जाट और दलित वोट समीकरण में सेंध लगाने वाले दो गठबंधन बने और दोनों ने चुनाव लड़ा। एक इनेलो और बसपा का तो दूसरा जजपा और आजाद समाज पार्टी का। इन दोनों गठबंधनों को साझा तौर पर सात फीसदी वोट मिले। तीसरे, कांग्रेस की एक रणनीतिक गलती यह रही कि उसने लोकसभा की तरह आम आदमी पार्टी के साथ तालमेल नहीं किया। लोकसभा में कांग्रेस ने 10 में से एक सीट उसके लिए छोड़ी थी। आप उम्मीदवार उस सीट पर हार गए थे लेकिन विपक्षी गठबंधन %इंडिया' के एकजुट होकर लडने का मैसेज बना था, जिसका फायदा कांग्रेस को यह हुआ कि वह पांच सीट जीत गई। ध्यान रहे विधानसभा में आप को 1.80 फीसदी वोट मिले हैं। चौथी बात यह है कि कांग्रेस इस मुगालते में रही कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी है। लोग उससे उबे हुए हैं और भाजपा ने खुद ही मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटा कर मान लिया है कि उसने हरियाणा में अच्छा काम नहीं किया है। लेकिन हकीकत यह है कि हरियाणा में या देश के ज्यादातर राज्यों में भाजपा की सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी जैसी कोई चीज नहीं होती है। कितने भी बरस सरकार चलाने के बाद भी भाजपा अपने वोट नहीं गंवा रही है। जिन राज्यों में वह हारी है वहां भी शायद ही कहीं ऐसा है कि उसके वोट कम हुए हैं। उसका आधार वोट उसके साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि हिंदुत्व की अंतर्धारा अब स्थायी हो गई है। सांप्रदायिकता की राजनीति समाज में बहुत गहरे जड़ जमा चुकी है और भाजपा के मौजूदा नेतृत्व की तरफ से पिछले 10 साल से चलाए जा रहे अभियान की परिणति यह हई है कि भारतीय समाज की संरचना या विचारधारात्मक अंतर्वस्तु में गुणात्मक बदलाव आया है। बहुसंख्यक हिंदू अब मुसलमान को स्थायी तौर पर अपने लिए खतरनाक मानने लगा है। %अब्दुल को टाइट' करने की धारणा बहुत गहरे तक जड़ जमा चुकी है। पहले आमतौर पर सांप्रदायिक दंगों आदि के बाद इस तरह की धारणा बनती थी। लेकिन अब समाज में स्थायी खदबदाहट है। इस वजह से भाजपा का आधार वोट उसके साथ ज्यादा मजबूती से जुड़ा है और हर चुनाव में इसमें कुछ बढ़ोतरी हो रही है। हरियाणा में भी लगातार तीन चुनावों में यह प्रवृत्ति दिखी है। पांचवें, कांग्रेस ने भाजपा की तरह अपने सामाजिक समीकरण पर ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री पद से मनोहर लाल खट्टर को हटा कर भाजपा ने नायब सिंह सैनी के जरिए अन्य पिछड़ी जाति का जो समीकरण साधा उसकी कांग्रेस ने अनदेखी कर दी। इसके उलट वह एंटी इन्कम्बैंसी और जवान, किसान व पहलवान के नाराज होने की धारणा को हवा देती रही। दूसरी ओर हरियाणा के संभवत: पहले ओबीसी मुख्यमंत्री ने 36 फीसदी वोट को एकजुट कर दिया। खट्टर के चेहरे पर यह नहीं हो सकता था।

साइबर ठगी का बढ़ता दायरा,सज्जनों पर संकट

विजय कुमार जैन

आधुनिक संचार क्रांति के युग में मोबाइल एवं इंटरनेट जितने लाभदायक हैं

उससे ज्यादा हानिकारक भी हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से भारत ही नहीं दुनिया में आए दिन साइबर ठगी की घटनाएं सुनने में आ रही है साइबर अपराध करने वालों की गैंग जानबूझकर ऐसे समय संबंधित को निशाना बनाते हैं जब वह विचार ही नहीं कर पाता और उनके द्वारा जितनी राशि की मांग की जाती है तत्काल उनके खाते में डाल देते हैं। इसके बाद पछतावा ही हाथ रहता है। मैं साइबर ठगी की कुछ घटनाओं का यहां पर उल्लेख करना चाहूंगा गुना जिले में श्री द्वारका प्रसाद शर्मा महिला बाल विकास विभाग में लिपिक हैं, इनको अपरिचित मोबाइल से फोन आया और मोबाइल नंबर का केवाईसी करने की बात कही ओटीपी पूछा और बैंक खाते से ?16000 निकल लिये ।श्री बलवीर सिंह गुर्जर निवासी साडा कॉलोनी राघौगढ़ सेवानिवृत्त गुना तहसीलदार रीडर इनके पंजाब नेशनल बैंक शाखा साडा कॉलोनी राघौगढ़ के खाते में किसी ने ?1 जमा किया उन्होंने जैसे ही मोबाइल खोलकर बैंक अकाउंट देखा उनके बैंक खाते से पहली बार रुपए 9970, दूसरे बार 9999 कट गए उन्होंने तत्काल बैंक शाखा में जाकर अपना खाता ब्लॉक कराया। रुठियाई तहसील राघौगढ़ निवासी रविंद्र सिंह परिहार के पास फोन आया और बताया कि आपका बेटा पुलिस थाने में बैठा है उन्होंने कहा कि मेरा बेटा तो नौकरी पर है उधर से कहा आपका बेटा एक लड़की के साथ होटल में अनैतिक कार्य करते हुए पकड़ा गया है। अपने बेटे को बचाना है तो तत्काल तीन लाख रुपए खाते में डालो। उन्होंने अपनी पत्नी से कहा बेटे को फोन लगाओ। उन्होंने बेटे से पूछा कहां हो बेटे कहा कि मैं तो ऑफिस में हूं फिर उन्होंने जिनका फोन आया था बेटा का फोन कनेक्ट कर बात करवायी ।बेटे ने उनसे भला बुरा कहा तब फोन काट दिया ।एक सेवानिवृत अधिकारी जिनकी लड़की इंदौर में पढ़ती है घटना चार माह पुरानी है उनके पास फोन आया आपकी बेटी थाने में बैठी है अनैतिक स्थिति में होटल में पकड़ी है उन्होंने दूसरे नंबर से बेटी को फोन लगाया बेटी कॉलेज में थी फोन बंद था इस कारण

बात नहीं हो सकी। जिनका फोन आया था उन्होंने कहा अपनी बेटी को बचाना चाहते हो तो तत्काल ?6 लाख रुपए खाते में डालो घबराहट में उन्होंने तीन लाख रुपये खाते में भेज दिये ।फिर लड़की का फोन आया कि पापा जी फोन क्यों किया। तब उन्होंने सारी घटना बतायी। उनके साथ साइबर ठगी हो गई ।मैं स्वयं भी साइबर ठगी से होते-होते बचा फोन आया मेरे से कहा कि आपके मोबाइल नंबर की केवाईसी होना है मैंने उनसे कहा मेरा नंबर तो एयरटेल का है अब बी एस एन एल में केवाईसी क्यों हो रही है तो उधर से जवाब आया आपकी सिम पुरानी है पहले बी एस एन एल की थी ।इसलिए आपको 24 घंटे के अंदर केवाईसी करना आवश्यक है अन्यथा सिम बंद हो जाएगी ।मैंने उनसे पूछा कि मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कि हम आपको एक प्रोफार्मा भेज रहे हैं उसमें हम जो जानकारी पूछे उनका आप मोबाइल चालू रखकर हमें जवाब देते जाएं। मैंने उनके कुछ प्रश्नों के उत्तर दिए थोड़ी देर बाद मेरी पौत्री 14 वर्षीय तन्वी जैन मेरे पास आई और बोली दादाजी मुझे ऐसा लग रहा है आप साइबर ठगी के शिकार होने वाले हैं। आप तत्काल इस नंबर को काट दें और इस नंबर को ब्लॉक कर दें। इस प्रकार में साइबर ठगी से बच पाया । साइबर ठगी की ही यह घटना मेरे मित्र श्री राघवेंद्र सिंह परिहार सेवानिवृत्ति कृषि अधिकारी राघौगढ़ ने मुझे बताया मैं ऑनलाइन दवाइयां मंगाता था। उनके लिए अपरिचित नंबर से फोन आया और कहा कि आप जिस कंपनी से दवाइयां ऑनलाइन मांगते हैं उस कंपनी ने ड्रा निकाला है ड्रा में आपके नाम कार निकली है आपको बधाईयां ।परिहार जी ने उनसे पूछा मुझे क्या करना है उन्होंने कहा कार तो हम आपके लिए कोलकाता में डिलीवरी दे देंगे या फिर आप कहेंगे तो आपके निवास पर पहुंचा देंगे। आपको मात्र इतना करना है आप रजिस्ट्रेशन के पैसे हमारे खाते में डाल दो ।उन्होंने कहा मेरा भतीजा कोलकाता में ही सर्विस में है वह आपसे मिलेगा कहां मिलना है पता आप मुझे भेजिए दूसरी ओर से पता नहीं आया और वह साइबर ठगी से बच गये। पिछले माह एसिया के बड़े उद्योग पति ओसवाल ग्रुप लुधियाना के मालिक की भारत की संभवत: अभी तक की सबसे बड़ी सायवर ठगी हुई। यह ठगी साढ़े सात करोड़ रुपये की थी। इस सायवर ठगी का समाचार देश के अनेक समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुआ। वर्तमान में साइबर ठगी की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है आम भोले भाले नागरिक उनके जाल में फंसकर अपना नुकसान कर रहे हैं। मोबाइल एवं इंटरनेट का उपयोग करते समय हर व्यक्ति की जागरूकता आवश्यक है के वाई सी के झांसे में ना आए ओटीपी ना भेजें।

अब तुझे कहां ढूंढू, दर बदर भटकता हूं...

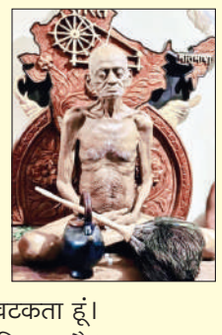

अब तुझे कहां ढूंढू, दर बदर भटकता हूं।
बिन तेरे मैं जिंदा हूं, बिन तेरे मैं जिंदा हूं।
सोच सोच कर बात ये, सोच सोच कर
बात ये ।मन ही मन शर्मिंदा हूँ।।।
अब तुझे कहां ढूंढू, दर बदर भटकता हूं।
अब तुझे कहां ढूंढू, दर बदर भटकता हूं।
सोच सोच कर बात, ये निज नजर
खटकता हूं।
सोच सोच कर बात ये निज नजर खटकता हूं।
निकल पड़ा हूं ढूंढने तुझे, कहां तेरा ठिकाना है।
कैसे पहुंचूं दर पे तेरे, कैसे पहुंचूं दर पे तेरे। मैं हूं रानू
अनजाना, गली गली भटकता हूं। मैं हूं रानू अनजाना गली
गली भटकता हूं। नमोस्तु गुरुदेव....

- रानू जैन, फाफाडीह रायपुर

लोक में धर्म का सामराज्य होगा तभी पाप का अंधकार समाप्त होगा : मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। लोक में धर्म का सामराज्य होगा तभी पाप का अंधकार समाप्त होगा। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने मोहताभवन में प्रात:काल भक्तामर स्त्रोत्र की बाचना करते हुये प्रकट किये। मुनि श्री ने कहा जो निज पर शासन करता है वह ही अनुशासन का पालन कर जगत पर शासन कर सकता है, जो महापुरुष होते है वह दूसरों पर शासन करने की भावना नहीं रखते बल्कि निज पर शासन करते हुये आत्मानुशासन का पालन करते है एवं समस्त प्राणिओं के कल्याण की भावना रखते है। मुनि श्री ने कहा कि आचार्य मानतुंग ने भगवान की महिमा का बखान करते हुये कहते हे छत्रत्रयं-तव-विभाति, शशांककान्त, मुच्चैः स्थितं स्थगित भानुकर-प्रतापम्। मुक्ताफल-प्रकरजाल-विवृद्धशोभं, प्रख्यापयत्त्रिजगतः परमेश्वरत्वम्॥

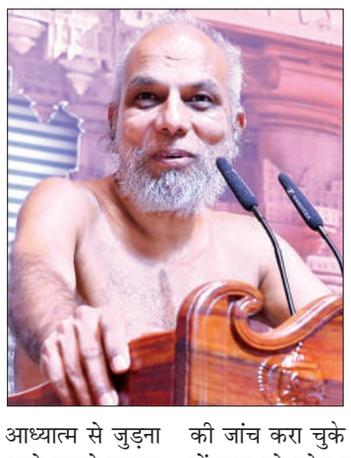

भगवान के मस्तिष्क के ऊपर जो शुशोभित तीन छत्र लगे हुये है वह चंद्रमा के समान कांतिवान है, जो सूर्य के प्रताप को भी खंडित करने बाले है, जिसमें मोतियों की जो लड़ियाँ लटक रही है, उनका प्रकाश चारों और फैल कर अंधकार को नष्ट कर रहा है। मुनि श्री ने कहा कि भगवान के मस्तिष्क पर शुशोभित जो तीन छत्र लगाये जाते है वह नासिकाकोत्तर के रूप में पहले छोटा उसके ऊपर बड़ा शिखराकार के रूप में लगाना चाहिये, तथा भगवान को देखकर स्व कल्याण की भावना के साथ आध्यात्म से जुड़ना चाहिये जो हमारे जीवन पथ को आगे बड़ाऐ प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं मीडिया प्रभारी राहुल

जैन (स्पोर्ट्स) ने बताया भावनायोग का विशेष सत्र मोहताभवन में गुरुवार को प्रात: 6 बजे से स्वास्थ्य लाभ के निमित्त से विशेष पैकेज जो कि 24 मिनट का है, मुनि श्री के मुखारविंद से शरदपूर्णिमा के शुभ दिन शुभारंभ किया जा रहा है। उपरोक्त भावना योग में संपूर्ण भारत से हजारों की संख्या में रजिस्ट्रेशन कराये गये है। सभी इंदौर निवासी जिन्होंने अपने रजिस्ट्रेशन कराये है तथा स्वास्थ की जांच करा चुके है वह सभी प्रात:6 बजे उपस्थित हों तथा जो लोग प्रमाणिक ऐप के माध्यम से ओन लाईन लगातार तीन माह तक भावनायोग के माध्यम से अपने स्वास्थ का लाभ उठाना चाहते है वह अपने ही नगर के लाल पैथालॉजी से पचासन्न डिस्काउंट के साथ स्वास्थ्य की जांच कराकर रिपोर्ट प्रमाणिक ऐप के माध्यम से संलग्न करें। यह भावनायोग लगातार तीन माह तक नियमित करना है मध्य में तथा तीन माह पश्चात पुन: आपके स्वास्थ्य की जांच की जाऐगी एवं जो तथ्यात्मक परिणाम सामने आऐंगे वह एक तथ्यात्मक दस्तावेज होगा जिसका लाभ पूरी दुनिया को मिले। तत्पश्चात शरद पूर्णिमा पर प्रात:7 बजे से 55 मिनट की विशेष शांतीधारा होगी एवं मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज का 28 बां दीक्षा दिवस मनाया जाऐगा तथा धर्म देशना होगी धर्म प्रभावना समिति के अध्यक्ष अशोक डोसी, नवीन गोधा एवं महामंत्री हर्ष जैन, मुकेश पाटौदी सहित समस्त पदाधिकारियों ने सभी धर्मश्रद्धालुओं से मोहताभवन में पधारने की अपील की है। -**अविनाश जैन**

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्मोत्सव उपकार दिवस के रूप में मनाया गया

राजिम (विश्व परिवार)। आज शर्दोत्सव के अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का जन्म दिवस उपकार दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जा रहा है।आज छत्तीसगढ़ के सभी दिगंबर जैन मंदिर में 7:36 पर आचार्य छत्तिसि विधान का आयोजन किया गया इसी कड़ी में नयापारा राजिम दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया।

स्वाध्याय श्री माताजी एवं चर्या श्री माताजी के सानिध्य में उक्त विधान का कार्यक्रम बहुत ही उत्साह एवं आनंद के साथ संपन्न कराए गए माताजी ने आचार्य श्री पर लिखे गए आचार्य छत्तीसी विधान की मनमोहक प्रस्तुत प्रस्तुति की गई। विधान प्रारंभ के पूर्व शांतिनाथ जी जिनालय में अभिषेक एवं शांति धारा संपन्न कराई गई शांति धारा का सूअवसर तनिष्क राहुल चौधरी एवं अर्पित चौधरी परिवार को प्राप्त हुआ पश्चात देव शास्त्र गुरु पूजन के पश्चात आचार्य छ्त्तीसी विधान प्रारंभ हुआ समाज के सभी वर्गों के लोगों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया अध्यक्ष किशोर सिंघई ने जानकारी दी यह विधान पूरे छत्तीसगढ़ में एक साथ सभी मंदिरों में संपन्न कराए जा रहे हैं एवं रात्रि में मंदिर जी में 48दीपको के द्वारा भक्तांबर का पाठ एवं आरती संपन्न कराई जाएगी। आचार्य श्री विद्यासागर जी के देवलोक गमन छत्तीसगढ़ में चंद्रगिरी डोंगरगढ़ में विगत 17 फरवरी को हो गया था उनके जाने के बाद यह प्रथम जन्मोत्सव कार्यक्रम पूरे देश में मनाया जा रहा है। नवापारा नगर के पार्श्व नाथ जैन मंदीर मे भी उक्त कार्यक्रम का भव्य आयोजन उपाध्यक्ष सुरित जैन के मार्ग दर्शन मे किया गया। राजिम पारसनाथ मंदिर में रात्रि आरती भक्ति का कार्यक्रम रखा गया है। -**किशोर जैन**

मुख्यमंत्री ने भारतीय T20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्य कुमार यादव का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर में आयोजित 27वें वन खेलकूद महोत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे भारतीय ञ्20 क्रिकेट टीम के कप्तान श्री सूर्य कुमार यादव का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने श्री यादव को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शॉल और श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनके खेल कौशल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाया है। उन्होंने श्री यादव की खेल भावना और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। इस मौके पर सूर्य कुमार यादव ने छत्तीसगढ़ के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए राज्य में खेल के क्षेत्र में प्रगति की प्रशंसा की।

सम्यक चारित्र के बिना मोक्ष प्राप्त नहीं हो सकता : मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर रायपुर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचनमाला जारी है। बुधवार को महामंगलकारी शाश्वत ओली जी की आराधना के आठवें दिन सम्यक चारित्र की आराधना की गई। तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. ने कहा कि सम्यक चारित्र पद की आराधना से जीव अनादि काल से अवृति के अंदर रहा है वह वृत्ति धर्म में आता है। चारित्र जीवन एकदम निष्पाप जीवन है। कम से कम एक ऐसा नियम लें जब तक शरीर के अंदर जीव है, कितनी भी विकट परिस्थिति आ जाए लेकिन चारित्र पद की आराधना करनी है।

ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने कहा कि आज सम्यक चारित्र की आराधना के दिन संकल्प करें कि जीवन में चारित्र का उदय हो। एक प्रार्थना परमात्मा से जरूर करना कि जब इस दुनिया में आया था तो सामान्य मनुष्य के रूप में आया था लेकिन जब इस दुनिया से जाऊं तो सामान्य व्यक्ति के रूप में नहीं जाऊं, चारित्र आत्मा के रूप में इस दुनिया से जाऊं, चारित्र के भेष में इस दुनिया से जाऊं।

मुनिश्री ने कहा कि आज तक कोई भी तीर्थंकर ऐसे नहीं हुए जिन्होंने चारित्र ग्रहण किए बिना मोक्ष प्राप्त किया हो। मोक्ष में जाना है तो सम्यक चारित्र के बिना मोक्ष प्राप्त नहीं होता। सबसे पहले आत्मा में ज्ञान का प्रकाश करना होगा। हमारी आत्मा की हवेली में सबसे पहले ज्ञान का प्रकाश होने से आत्मा के अंदर जमी कर्म की धूल दिखाई देगी और इसे साफ करने नवकारसी करनी पड़ेगी। ऐसे ही अनंत काल की जमी धूल को साफ करने के लिए सिद्धि तप, मासक क्षमण तप करना पड़ेगा। तप करने से ही आत्मा में जमे कर्म की निर्जरा होगी। ऐसे ही संयम धारण करना होगा। संयम आत्मा में नए कर्मों को आने से रोकता है। अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु तक सभी का प्राण संयम है। यदि ज्ञान बहुत है, आचरण है और संयम नहीं है, यदि तप भी है लेकिन संयम नहीं है तो नए कर्म आएंगे इसलिए आत्मा की शुद्धि के लिए संयम बहुत जरूरी है।

जशपुर के इचकेला गांव में मुक्तिधाम नहीं होने के कारण अधजली हो रहीं लाशें, हालत देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे

जशपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में एक ऐसा अजीबों गांव हैं जहां एक भी मुक्ति धाम नहीं हैं. गांव में सड़क, लाईट, नालियां बनी जिसे एक दौर में आदर्श ग्राम घोषित भी किया पर अपसोस की यहां एक भी मुक्तिधाम नहीं हैं. बरिश में मुक्तिधाम नहीं होने के कारण शव खुले में जलाया जा रहा हैं जिससे लाशें अधजली हो रहीं हैं.जिसके हालत देखकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. दरअसल आजादी के वर्षो बाद भी जिला मुख्यालय से नजदीक इचकेला पंचायत के सभी गांवों में अब तक एक भी मुक्तिधाम नहीं बनाया गया हैं.यहां ग्रामीण मुक्तिधाम के लिए तरस रहें.पर प्रशासनिक उदासीनता और जनप्रतिनिधि की अनदेखी के कारण आप सोच ही सकते हैं गांव की क्या हालत हैं. गांव की आबादी करीबन 4000 के आसपास हैं. गांव में जागरूक पढ़े लिखें और नौकरी करने वाले लोग हैं लेकिन इन सबके बाद गांव में एक भी मुक्ति नहीं बनी है . ग्रामीणों ने पूर्व विधायकों समेत आला नेताओं को अवगत कराया है जिस पर उन्होंने गंभीरता नहीं दिखाई बल्कि आश्वास देकर मामला शांत करा दिया गया . ग्रामीणों का कहना हैं कि मुक्तिधाम नहीं होने कि वज़ह से बारिश में लकड़ीयां कच्ची हो जाती हैं जिससे शव अधजली हो जाती हैं. कई बार तों लाशें भी नहीं जलती हैं जिसे बमुश्किल जलाया जाता हैं या फिर शव को जमीन में दफन कर दिया जाता हैं. आप सोच सकते हैं मरने के बाद ऐसी हालत में मृतक के परिवार पर क्या गुजरती होंगी.

अंतिम विदाई में भी सम्मान नहीं : जीवन और मृत्यु एक चक्र हैं लेकिन मरणो उपरांत मृतक को सम्मान विदाई देना चाहिए.लेकिन बारिश के दिनों में लकड़ी गीले में शव अधजला होने से कई तरह के भाव जागृत हो रहें हैं.दिलीप सिंह ने कहा कि पहले तों मरणों उपरांत उन्हें दफना दिया जाता था लेकिन मरघट का जगह अब घिरते जा रहा है.इसलिए लोग दाहसंस्कार करने लगे है. ज्ञात हो की शासन ऐसे मामलों में त्वरित कार्यवाही या सुविधा प्रदान करतीं हैं लेकिन इन सबके बीच में जिम्मेदार लोग क्यों अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं यह भी अपने आप में एक सवाल हैं.

भ्रष्टाचार व अनियमिता कि भेंट चढ़ा,बनते बनते रह गया मुक्तिधाम : आरोप हैं कि सरपंच, सचिव की भ्रष्टाचार व अनियमिता की भेंट मुक्तिधाम चढ़ गया. पूर्व में सरपंच, सचिव कि भ्रष्टाचार व अनियमिता कि वजह से मुक्तिधाम का निर्माण कार्य अधूरा रह गया . सरपंच सचिव ने मुक्तिधाम का अधूरा काम कराकर कागजों में पूरा काम बताकर पूरा पैसा गबन कर दिया जिससे मुक्तिधाम बनते बनते रह गया हैं. विदित हो कि ग्राम पंचायत इचकेला, रजौटी गांव का मरघट रजौटी (चार टोली) में है.किसी के मरणोउपरांत शव के अंतिम संस्कार के लिए रजौटी के चारटोली ग्राम में लाया जाता हैं. भुनेश्वर सिंह ने बताया कि पूर्व में मुक्तिधाम का अधूरा निर्माण कार्य बेकार हो गया.मुक्तिधाम निर्माण के लिए पुन: सरपंच सचिव को अवगत कराया गया हैं इसके आलावा ग्रामीणों ने मुक्तिधाम निर्माण के लिए विधायक रायमुनी भगत को ज्ञापन सौंपा हैं.

अधूरा काम कराकर कागजों में कार्य पूरा बताया : आरोप है कि सरपंच सचिव ने मुक्तिधाम का अधूरा कार्य कराकर कागजों में पुरा बताया हैं और पैसे हड़प लिए इतना ही नहीं एक मुक्तिधाम का निर्माण कराया नहीं गया वहीं उन्होंने एक पड़ाव बना दिए जिससे दोनों काम अधूरे हो गए.

छत्तीसगढ़ और i-Hub गुजरात के बीच नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक समझौता

छत्तीसगढ़ में नवाचार संस्कृति स्थापित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

यह साझेदारी छात्रों को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करेगी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ के तकनीकी शिक्षा विभाग और i-Hub गुजरात (इनोवेशन हब गुजरात) के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (रूश्च) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में इस साझेदारी को एक ऐतिहासिक कदम बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने i-Hub गुजरात के सफल मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह समझौता राज्य में स्टार्ट-अप और नवाचार की दिशा में एक नए युग की शुरुआत करेगा। i-Hub गुजरात ने हज़ारों युवाओं के विचारों, नवाचारों और स्टार्टअप को व्यवसायिक उत्पादों में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह की सफलता दोहराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की और कहा कि यह साझेदारी युवाओं को नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा की यह समझौता न केवल तकनीकी सुविधाओं पर केंद्रित है, बल्कि युवाओं को सलाहकारों, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने का मंच प्रदान करेगा। इस साझेदारी से छत्तीसगढ़ नवाचार और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि जो युवा उद्योग और व्यापार के संबंध में नया विचार लेकर आएंगे उन्हें आर्थिक संसाधनों के साथ-साथ काम करने और रहने की जगह उपलब्ध होगी, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक रूप से रूपांतरित कर पाएंगे। यह संस्था युवाओं का कंपनियों के साथ अनुबंध करने में सहयोग करेगा।

तकनीकी एवं रोजगार विभाग के सचिव डॉ. एस भारतीदासन ने कहा कि इस एमओयू के माध्यम से, युवाओं में उद्यमिता का विकास करने के लिए एक ईको सिस्टम विकसित करने का प्रयास किया जाएगा, इसके लिए शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में एक केंद्र प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के 800 से ज्यादा पेटेंट है छत्तीसगढ़ में 1724 प्रारंभ हुए हैं। समझौता 3 साल के लिए होगा। एमओयू पर छत्तीसगढ़ के तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार सचिव डॉ. एस. भारतीदासन और गुजरात सरकार के तकनीकी शिक्षा आयुक्त श्री बंछानिधि पाणि ने हस्ताक्षर किये।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानन्द, डॉ. बसव राजू एस, राहुल भगत i-Hub के सीईओ श्री हिरनमय महंता, छत्तीसगढ़ की तकनीकी शिक्षा संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला भी उपस्थित थीं।

हरहुना धान की कटाई पारम्परिक औजार से हुई शुरू, मजदूरों को मिला काम

नवापारा (विश्व परिवार)। राजिम अंचल में हरहूना किस्म के धान की कटाई हंसिया से की जाने लगी है। ये तस्वीर परसदा खार की है जहां नवागांव के मजदूर फसल की कटाई कर रहे है ।फसल कटाई में लगे मजदूरों ने बताया कि इस समय मजदूरी 170 रुपए चल रही है। जानकारी के मुताबिक नवरात्रि में ही अनेकों किसानों ने अर्ली वैरायटी कर्की कटाई शुरू कर दिया था। किसानों की मजबूरी कहें कि अभी -खेत-गीला होने के कारण उन्हें हार्वेस्टर मशीन की बजाए हंसिया से कट्टाना पड़ रहा हैं। खासतौर से उन खेतों में जहां फसल पक गया है और वह खेत सड़क किनारे न होकर बीच खार में है। जौंदी के किसान टीकमचंद साहू ने बताया कि दशहरा के बाद से एक बहुत बड़े रकबे में हरहुना किस्म का धान पक कर तैयार है। खेत गीला है लिहाजा लोगों को मजदूरों का सहारा लेना पड़ रहा है। खोजे मजदूर नहीं मिल रहे हैं। दीपावली करीब आ गया है। अधिकतर मजदूर किसान अब अपने घरों की साफ-सफाई की ओर ज्यादातर ध्यान देने लगे है। दीपावली के करीब आते-आते हार्वेस्टर मशीन से कटाई शुरू हो जाने की संभावना किसानों ने जताया है क्योंकि धूप भी काफी तेज पड़ने लगा है। यही हाल राजिम क्षेत्र के गांवों का है। इस क्षेत्र में भी कटाई का काम लगभग हर गांव में कुछ न कुछ रूप में हो रहा है। राजिम के किसान प्रकाश वर्मा ने बताया कि दशहरा मानने के बाद किसानों के समक्ष फसल कटाई का काम अहम रूप में सामने है जबकि इसी दौर में दीपावली साफ-सफाई के लिए भी परिवार के लोगो को लग जाना पड़ता है। पूरे क्षेत्र में दीपावली की लिपाई-पोताई, साफ-सफाई युद्ध स्तर में शुरू हो चुका है। साफ-सफाई करने डिस्टेंपर लगाने वाले और रंग पॉलिश करने वाले पेंटर पहले से बुक हो चुके है।

2 नवंबर से 28 दिसंबर 2024 तक अयोध्या धाम- कलयुग में पहली बार हो रहा है ऐसा महायज्ञ

अयोध्या में 57 दिवसीय ऐतिहासिक महायज्ञ, श्री महा नारायण दिव्य रुद्र सहित शत सहस्त्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ : अमर पारवानी

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के विश्वीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि अयोध्या, भगवान श्री राम की जन्मभूमि, एक अद्वितीय और ऐतिहासिक आध्यात्मिक आयोजन की मेजबानी करेगी, जिसमें श्री महा नारायण दिव्य रुद्र सहित शत सहस्त्र चंडी विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आयोजन 2 नवंबर से 28 दिसंबर, 2024 तक किया जाएगा। कलयुग में इस प्रकार का यज्ञ पहली बार हो रहा है और संभवत पूरे विश्व का अब तक का यह सबसे बड़ा महायज्ञ है। यह 57 दिवसीय महायज्ञ, जो श्री कांची कामाक्षी अम्मा की प्रेरणा से हो रहा है, सनातन धर्म के प्रचार, विश्व शांति और वैश्विक कल्याण के लिए समर्पित है।

कैट के विश्वीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि इस महायज्ञ का आयोजन श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, श्री कांची कामकोटि पीठ, और चिन्मयी सेवा ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर सनातन धर्म की पुनर्स्थापना और प्रचार तथा वैश्विक शांति की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्वामी श्री जितेन्द्रानंद सरस्वती, चांदनी चौक सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल, वेदाचार्य श्री डीएसएन मूर्ति, कैट के विश्वीय अध्यक्ष श्री बी सी भारतीया, कैट के विश्वीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर परवानी, श्री सत्य भूषण जैन, आचार्य श्री शुभेश और अन्य लोगों ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

महायज्ञ का उद्देश्य- इस महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों को पुनर्जीवित करना, विश्व शांति को बढ़ावा देना और सामूहिक कल्याण के लिए वैदिक अनुष्ठानों के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करना है। यह आयोजन प्राचीन वैदिक परंपराओं के आधार पर होगा, जिसमें भक्तों और आध्यात्मिक साधकों को भारत एवं विश्व भर में सामूहिक कल्याण में अपना योगदान देने का अनुपम अवसर मिलेगा।

विशेषताएँ और आयोजन की व्यापकता- इस महायज्ञ में देशभर से 900 विद्वान पुरोहित प्रतिदिन वैदिक मंत्रोच्चार और वैदिक रीति से अनुष्ठान करेंगे, जिससे अयोध्या नगरी में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा। प्रतिदिन 10, 000 भक्तों के लिए भोजन सेवा की जाएगी। कारसेवकपुरम में एक विशेष नगर का निर्माण किया जा रहा है, जहाँ महायज्ञ के आयोजन हेतु सभी व्यवस्थाएँ होंगी।

विपुल सहभागिता- प्रतिदिन 100 से अधिक भक्त और विशिष्ट व्यक्ति इस आयोजन में भाग लेंगे, जिससे अयोध्या वैश्विक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बनेगी वहीं बड़ी संख्या में देश के विभिन्न कोनों के लोग भी इस महायज्ञ में शामिल होंगे।

कांची और अयोध्या का पवित्र संबंध- यह महायज्ञ कांची और अयोध्या के बीच गहरे आध्यात्मिक संबंध को उजागर करता है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार, राजा दशरथ ने कांची में माता कामाक्षी की पूजा की और उनके आशीर्वाद से पुत्र कामेष्टि यज्ञ किया, जिसके फलस्वरूप भगवान श्री राम का जन्म हुआ। माता कामाक्षी इक्ष्वाकु वंश की कुलदेवी मानी जाती हैं, और यही कारण है कि यह महायज्ञ विशेष महत्व रखता है।

आध्यात्मिक आह्वान- कलयुग में बढ़ती नैतिक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए, यह यज्ञ भगवान रुद्र और माता चंडी के आशीर्वाद के माध्यम से विश्व शांति और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित है। इस महायज्ञ में भाग लेने का अवसर एक अद्वितीय आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव करने का है, जो विश्व कल्याण के लिए अमूल्य योगदान देगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 17 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता लाने एवं कोटपा एक्ट 2003 के प्रावधानों का परिपालन सुनिश्चित के निर्देश दिए। उन्होंने सभी महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के प्राचार्य से समन्वय स्थापित कर कोटपा एक्ट 2003 कार्यक्रम का संचालन करने कहा। कलेक्टर ने अक्टूबर से दिसम्बर 2024 में तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कर निगरानी के निर्देश दिये। कोटपा कार्रवाई अंतर्गत सभी विभागों को कार्रवाई कर प्रतिमाह रिर्पोटिंग करने कहा गया है। कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तम्बाकू मुक्त स्कूल बनाये जाने के साथ ही कोटपा एक्ट 2003 अंतर्गत 100 गज के अंतर्गत चलित तम्बाकू दुकानों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी नागरिकों से किसी भी प्रकार की नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने की अपील की और ग्राम स्तर पर मितानिनों द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला समन्वयक, मितानिन को निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर इन्द्रा नवीन प्रताप सिंह तोमर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकरी डॉ. नेतराम नवरत्न, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास बघेल, जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकर एवं जिला सलाहकार एनटीसीपी सु निहारिका टोपनो सहित अन्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मासूम के साथ अनाचार

धमतरी/कुरुद(विश्व परिवार)। 4 साल की मासूम बच्ची के साथ हुए बलात्कार व स्वास्थ्य विभाग द्वारा ईलाज में की गई लापरवाही के खिलाफ ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन ने 14 अक्टूबर को तहसील कार्यालय कुरूद के सामने विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया साथ ही ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें छात्र संगठन एआईडीएसओ, युवा सगठन एआईडीएवायओ, महिला संगठन एआईएमएसएस द्वारा सौपे गए ज्ञापन में मांग करते हुए कहा है कि बच्ची के पूरे इलाज का खर्चा सरकार द्वारा वहन किया जाए और पूरी व्यवस्था सरकार के देखरेख में हो। इलाज में लापरवाही बरतने वाले डाक्टरों पर उचित कार्यवाही किया जाए। महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाए। नशे, शराब, पोर्नोग्राफी साइट्स व अश्लीलता पर रोक लगाये व बलात्कारियों को सजा देने हेतु कठोर कानून बनाये। सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल, जिला अस्पतालो में सभी प्रकार के विशेषज्ञ डॉक्टरों की तत्काल व्यवस्था की जाये पर्याप्त नर्सों व स्टाफ की व्यवस्था की जाये सभी प्रकार की मशीन व ऑपरेटर की व्यवस्था की जाये एवम इलाज में लापरवाही बरतने अधिकारियों कर्मचारियों पर कठोर की जाये।संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आज हमारे देश को आजाद हुए 76 साल हो गए है लेकिन आज भी महिलाए, बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। अभी 18 सितंबर की शाम 4:30 बजे के करीब एक मासूम 6 साल की बच्ची स्कूल से आने के बाद खेल रही थी तभी 17 साल का नाबालिक लड़का उसको ठेले में घुमाने के बहाने उसे घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर ब्यारा में ले गया और उसके साथ बलात्कार कर अमानवीय घटना को अंजाम दिया। जब बच्ची गिरते संभालते घर पहुंची उसने रोते हुए बताया कि मुझे बहुत दर्द हो रहा है उसके बाद वे गाँव के 3 डाक्टरो के पास भटकते रहे पर सब ने इलाज करने से मना किया। रातभर बच्ची दर्द से तड़पती रही। 19 सितंबर को सिविल अस्पताल कुरुद लाया गया।

कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण शिक्षक जाकिर खान तत्काल प्रभाव से निलंबित

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव द्वारा शिक्षक एलबी शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला ढोण्ढरा श्री जाकिर खान को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। सम्बन्धित शिक्षक के संबंध में प्राप्त शिकायत स्कूल में हस्ताक्षर उपरांत शाला से नदारद रहना, अध्यापन कार्य नियमित नहीं करने, दैनंदनी संधारण नहीं करने एवं मद्यपान कर संस्था में उपस्थित रहते हुए कार्यरत सहकर्मियों एवं छात्रों के समक्ष आदर्श आचरण प्रस्तुत नहीं किये जाने की पुष्टि विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड कोण्टा के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में हुई है। उनका कृत्य छत्तीसगढ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के प्रतिकूल होने के फलस्वरूप श्री जाकिर खान शिक्षक एलबी शासकीय बालक पूर्व माध्यमिक शाला ढोण्ढरा विकास खण्ड कोण्टा को छत्तीसगढ सिविल सेवा वर्गीकरण, नियत्रण एवं अपील नियम 1966 नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच संस्थित किया गया है। निलंबन अवधि में संबंधित का मुख्यालय विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास खण्ड कोण्टा नियत किया गया है। निलंबन अवधि में सम्बन्धित को जीवन-निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

मानवीय दृष्टि से सीआरसी सेंटर का निर्माण सबसे बड़ा पुण्य का कार्य- विधानसभा अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष ने दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर मनाया अपना जन्मदिन

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपने जन्म दिवस के अवसर पर कौशल विकास पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) ठाकुरटोला राजनांदगांव में दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचकर अपना जन्मदिन मनाया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने छोटे दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर केक काटा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सीआरसी सेंटर के दिव्यांग बच्चों एवं शिक्षकों ने जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर दिव्यांगजनों को नि:शुल्क मोटराईज्ड ट्रायसायकल एवं सहायक उपकरण वितरण किया। इस दौरान सांसद संतोष पाण्डेय उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज कौशल विकास पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) ठाकुरटोला के दिव्यांग बच्चों के साथ केक काटकर खुशी हो रही है। इससे बड़ी खुशी बड़े से बड़े कार्यक्रम में नहीं मिल सकती है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि कौशल विकास पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी) की कल्पना तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत ने की थी तथा इसकी स्वीकृति दी। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव में सीआरसी सेन्टर की कल्पना किसी ने नहीं की थी। छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा सीआरसी सेंटर राजनांदगांव में बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टि से सीआरसी सेंटर का निर्माण सबसे बड़ा पुण्य का कार्य हुआ है। छत्तीसगढ़ का ऐसा केन्द्र होगा जहां कृत्रिम अंग का निर्माण होगा। मानसिक एवं बौद्धिक दिव्यांगता को दूर करने के लिए प्रशिक्षण होगा। उन्होंने बताया कि यहां डिप्लोमा कोर्स की शुरूआत होगी। यहां से बच्चे प्रशिक्षण प्राप्त कर पूरे हिन्दुस्तान में कार्य कर सकते हैं। उसके लिए शासन की मंजूरी दी जाएगी। छत्तीसगढ़ में जयपुर और अन्य स्थानों से कृत्रिम अंग लाया जाता था, उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी, उसका निर्माण यही होगा।

सनवरी का पक्का मकान का सपना हुआ पूरा

नारायणपुर(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् देश के गरीब और बेघर लोगों को घर बनवाने के लिए सहायता राशि दी जाती है, और इस राशि की मदद से गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक खुद का घर बनाने में सक्षम हो पाते हैं, इस योजना के द्वारा भारत के बेघर और गरीब नागरिकों को आवास देने का कार्य सरकार के द्वारा लगातार किया जा रहा है। पक्का आवास मिलने पर जिले के ग्राम पंचायत टिमनार निवासी सनवरी पति घसिया वड्डे ने सरकार का आभार जताया है। सनवरी खेती एवं मजदूरी कर जीवन व्यापन करते है। वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास स्वीकृत हुआ। सनवरी और उनके परिवार पूर्व में कच्चा छत खपरैल के आवास में निवास करते थे, जिससे परिवार को अनेक समस्याओं से जूझना पड़ता था। कच्चे मकान में बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने और सीलन की वजह से जीवन यापन करना मुश्किल हो जाता था। इसके अलावा कच्चे मकान में कीड़े, मकौड़ो और जहरीले जीव जन्तुओं का भी खतरा बना रहता था। अब पक्का मकान मिलने से इन सभी परेशानियों से उन्हें राहत मिली। प्रधानमंत्री आवास पूर्ण होने से हितग्राही बहुत खुश हैं एवं अपने नवीन आवास में निवासरत हैं। उन्होंने बताया की प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना के तहत् उन्हे 1 लाख 30 हजार की राशि सीधे उनके बैंक खाते में मिली है।

सड़क दुर्घटना के रोकथाम के लिए प्रभावी उपाय सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। श्री चन्द्रवाल राजस्व, पुलिस, परिवहन, राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास कर जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु प्रभावी एवं पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने को कहा। श्री चन्द्रवाल आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतु की जा रहे उपायों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री एसआर भगत, एडीशनल एसपी श्री अशोक जोशी, संयुक्त कलेक्टर श्री डी आर ठाकुर एवं श्रीमती पूजा बंसल सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा जिला परिवहन अधिकारी श्री प्रकाश रावटे एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री चन्द्रवाल ने जिले मे सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों के अंतर्गत सड़कों में विचरण करने वाले घुमन्तु मवेशियों की रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में जानकारी ली। इसके अंतर्गत उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों द्वारा इस संबंध में की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की। उन्होंने गुरूर विकासखण्ड के ग्राम मरकाटोला से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 का मरम्मत एवं उस स्थान पर रात्रि में प्रकाश आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को बालोद शहर के दल्लीराजहरा चैक में भी यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। श्री चन्द्रवाल ने कार्यापालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मार्ग में संकेतक आदि लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को दुर्घटना होने के पश्चात् प्रभावित लोगों के तत्काल मदद पहुँचाने के लिए भी पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में एडीशनल एसपी श्री अशोक जोशी ने जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु चलाए जा रहे विभिन्न जागरूकता अभियानों के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत जिले के स्कूलों एवं महाविद्यालयों तथा अन्य आवश्यक स्थानों पर नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सड़क दुर्घटना से बचाव के उपायों के संबंध में जानकारी दी।

जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, भण्डारण परिवहन पर रोक लगाने ठोस कदम उठाएं

जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न एजेण्डों पर चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, भण्डारण और परिवहन पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया। साथ ही खनिज सहित सभी अनुविभागीय अधिकारियों को सतत् निगरानी करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आज दोपहर को आयोजित खनिज विभाग की टास्कफोर्स समिति की बैठक में जिला खनि अधिकारी श्री बी.एस. पैकरा ने अनुविभागवार खनिजों के अवैध उत्खनन के विरूद्ध की गई कार्यवाही जानकारी दी। साथ ही विभिन्न विभागों के समन्वय से खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु सतत निगरानी के लिए बैठक में चर्चा की गई। इसके अलावा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के नियम 59 के तहत परिवहन अनुमति के लिए निर्माणी ठेकेदारों को प्रोत्साहित करने के संबंध में कलेक्टर ने खनि अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही खनिजों का परिवहन करने वाले वाहनों में तारपोलिन एवं अन्य उपयुक्त सामग्रियों से सही तरीके से ढंकने को लेकर भी बैठक में संक्षिप्त चर्चा की गई। इस अवसर पर पुलिस, वन, परिवहन विभाग के अधिकारियों के अलावा अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार, श्री बी.एस. उईके, जिला पंचायत सीईओ श्री सुमित अग्रवाल, श्री जितेन्द्र कुर्रे सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सारवंडी में एमबीबीएस डॉक्टर की मांग

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आवेदकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में स्वास्थ्य केन्द्र में एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति करने, कोड़ेजुंगा बाईपास चौराहा में लाईट व्यवस्था कराने, उचित मूल्य दुकान में मिलने वाले गुड़ तथा चना की गुणवत्ता में सुधार लाने, नलजल योजना चालू करवाने सहित विभिन्न प्रकार की मांगों व समस्याओं से संबंधित कुल 71 आवेदन जिले के आवेदकों से प्राप्त हुए। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में सरोना तहसील के ग्राम सारवंडी में संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एमबीबीएम डॉक्टर की नियुक्ति करने तथा उचित मूल्य की दुकान में मिलने वाले गुड़ और चना की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए ग्रामीणजनों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार ग्राम कोड़ेजुंगा निवासी दिनेश नेताम सहित ग्रामीणों द्वारा बाईपास चौराहा में लाईट व्यवस्था के आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत आलनार के आश्रित ग्राम तयोरा के प्राथमिक शाला प्रांगण में हैण्डपंप की स्वीकृति, हरहरपानी के ग्रामीणों ने पेयजल की व्यवस्था करवाने, नेटवर्क सुधरवाने तथा नया टावर लगवाने, भूमि वापस दिलवाने, आवासीय मकान दिलाने, रोजगार प्रदान करने, राशन तथा आधार कार्ड बनाने और महतारी वंदन योजना की राशि दिलवाने सहित विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिले में आम जन से संबंधित समस्याओं के निदान के लिए जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में सभी विभागों के विकासखंड स्तरीय अमलों द्वारा ग्राम पंचायतों से लोगों की समस्याओं से संबंधित आवेदनों को पहले से ही प्राप्त कर लिए जाए और इन सभी आवेदनों को निराकरण की प्रक्रियाएं समय पर पूरा करने के साथ इन शिविरों में निराकरण कर लिए जाए। उन्होंने श्रम, कृषि, राजस्व, शिक्षा, समाज कल्याण विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को इस संबंध में विशेष रूप से निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनओं का संचालन किया जा रहा है और प्रात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। इन योजनाओं में शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए सभी विभाग विधिवत प्रयास करें। उन्होंने श्रम विभाग के अधिकारी से कहा कि वे अपने विभाग के माध्यम से असंगठित एवं संगठित क्षेत्र के श्रमिक पंजीयन कराना सुनिश्चित करें, वही राजस्व विभाग के अधिकारी सीमांकन, बटवारा के साथ ही भू-अभिलेखों को त्रुटि रहित बनाएं। उन्होंने छात्रों के निवास, जाति, आय प्रमाण पत्र बनाने, दिव्यांगों के पहचान पत्र बनाने व उनकी सूची पंचायतवार तैयार करने, राशन कार्ड बनाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है और उनकी जांच कर आवश्यकतानुसार दवाईयां उपलब्ध कराई जाती है। विभाग द्वारा प्रयास हो कि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि नक्शा, खसरा, बी-1 के साथ -साथ आरबीसी 6-4 के प्रकरणों का समय पर निराकरण करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सामाजिक सुरक्षा के तहत सभी प्रकार के पेंशन के समय पर भुगतान करने के निर्देश के साथ-साथ पात्र सभी हितग्राहियों को पेंशन का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

सभी कार्यों व योजनाओं के लक्ष्यों को समय में पूर्ण करें : अपर कलेक्टर

अपर कलेक्टर ने दिलाई उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की शपथ

नारायणपुर(विश्व परिवार)। साप्ताहिक समय सीमा की बैठक कलेक्टर बिपिन मांझी के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई के द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में लिया गया। उन्होंने नियद नेल्लानार के स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने नियद नेल्लानार योजनांतर्गत संचालित विभागीय अधिकारियों से कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा की पेयजल, सड़क निर्माण, वनाधिकार पट्टा, सौर उर्जा, नलजल योजना, अस्पताल, अंगनबाड़ी, उपस्वास्थ्य केन्द्र संचालित करने और प्रधानमंत्री फसल बीमा से लाभान्वित करने निर्देशित किए। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी गई और समस्त विभागों से कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु सहयोग करने निर्देशित किया गया। तत्पश्चात् अपर कलेक्टर ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों को उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की शपथ दिलाई। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र के पोषण ट्रैकर, स्कूल शिक्षा विभाग के स्कूल जनत कार्यक्रम में गुणवत्ता लाने, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग और समाज कल्याण विभाग में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण करने के निर्देशित किये। कलेक्टर ने नियद नेल्लानार योजनातंर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों को अविलंब पूर्ण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं पत्रों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें ताकि राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के ग्रामीणों को समय पर मिल सके। उन्होंने 11 ग्राम पंचायतों में नवीन सहकारी समिति बनाने हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया और नियद नेल्लानार, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री जनमन तथा वर्ष 2024-25 के लिए पहुंचविहीन केन्द्रों में मध्यान्ह भोजन, पूरक पोषण आहार और राशन सामग्री भण्डार करने तथा समग्र शिक्षा के तहत् स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में की गई कस्टम मिलिंग, चावल योजनांतर्गत मंडी से धान की उठाव और ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि, कौशल विकास और नगरपालिका परिषद द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा किया। अपर कलेक्टर ने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नियद नेल्लानार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का निरारकण शीघ्र करें। उन्होंने जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा कि पंचायत के माध्यम से जन्म मृत्यु, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए प्रकरण तहसील कार्यालय में प्रेषित करने निर्देशित किये। उन्होंने जिले में दुग्ध समिति गठित कर शीघ्र क्रियान्वित किये जाने स्व सहायता समूहों के माध्यम से किये जाने हेतु विपणन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये।

व्यापार समाचार

वित्त वर्ष 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद : एसआईएएम

नई दिल्ली(एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष में भारत में यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद की जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुए सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, चालू वित्त वर्ष में भारत में यात्री वाहनों की बिक्री 3-5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। चंद्रा का कहना है कि आर्थिक संकेतकों को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है, ऐसे में यात्री वाहनों की बिक्री में 3-5 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि की उम्मीद है। 2024-25 के पहले छह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यात्री वाहनों की थोक बिक्री में ज्यादा वृद्धि नहीं दिखती। यात्री वाहनों की थोक बिक्री 0.5जी बढ़कर 20.81 लाख यूनिट हो गई। वहीं, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कारों और एसयूवी की बिक्री में 1.8त्न की गिरावट आई। कारों और एसयूवी की बिक्री में आई गिरावट का कारण हैचबैक और सेडान की बिक्री में गिरावट रहा। एसआईएएम को उम्मीद है कि फेस्टिव सीजन में नई कार के लॉन्च के साथ बिक्री को बढ़ाने में मदद मिलेगी। चंद्रा का कहना है कि दूसरी छमाही के दौरान बिक्री को लेकर यकीनन तेजी देखने को मिलेगी। इस तेजी के साथ पहली छमाही में हुई स्थिर वृद्धि की भरपाई की भी उम्मीद है। इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर चंद्रा का कहना है कि बुनियादी ढांचे की कमी ईवी को अपनाने में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। वे इसे चिकन एंड एग की स्थिति बताते हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए चंद्रा कहते हैं कि अब चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी बाधाओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार ने पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत चार पहिया वाहनों के लिए 22,000 फास्ट चार्जर स्थापित करने के लिए धन आवंटित किया है। इससे मदद मिलने वाली है। बहुत सारे नए लॉन्च हुए हैं, इसलिए ग्राहकों के पास अलग-अलग ब्रांड, बॉडी स्टाइल के विकल्प हैं जो बाजार को उत्साहित करते हैं। ईवी की कीमत एक स्तर तक गिर गई हैं, जहां वे स्वचालित ट्रांसमिशन वाले आईसीई वाहनों से मेल खा रही हैं। ड्राइविंग रेंज भी बढ़ रही है। यह देखते हुए कि यह भविष्य की तकनीक है, अल्पकालिक अड़चनें वास्तव में बहुत ज्यादा परेशान करने वाली नहीं हैं। वह कहते हैं कि बीते दो वर्षों में बैटरी की कीमत में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। इस वजह से ईवी की कीमत में कमी देखने को मिली है। सस्ते बैटरी सेल्स, बढ़ते स्थानीयकरण और पैमाने के साथ ईवी की कीमत में और अधिक कमी आएगी। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में कमर्शियल वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री में भी कमी दर्ज हुई है। जबकि, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में क्रमशः 12.6त्न और 6.6त्न की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नए युग की शुरुआत की, पेश किया बिल्कुल नया काइलैक

रायपुर। स्कोडा ऑटो ने इस साल फरवरी में कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं का स्पष्ट संकेत दिया था। देशभर में हुए नामकरण अभियान के बाद इस नई एसयूवी को काइलैक नाम मिला। इसका ग्लोबल प्रीमियर 6 नवंबर 2024 को किया जाएगा। काइलैक के साथ, स्कोडा ऑटो इंडिया अपने ग्राहकों को अलग-अलग रेंज की गाड़ियों का विकल्प देने जा रही है, जिसमें कोडियाक जैसी लक्ज़री एसयूवी और कुशाक जैसी मिड-साइज एसयूवी शामिल हैं, जो इंडिया 2.0 परियोजना के तहत लॉन्च की गई थी। भारत के तेजी से बढ़ते कार बाजार में लगभग 30त्न हिस्सेदारी पर कब्जा कर चुकी स्कोडा ऑटो, काइलैक को 4 मीटर से कम श्रेणी में लाएगी, जो कॉम्पैक्ट एसयूवी की श्रेणी में आती है। यह श्रेणी भारत में बेहद लोकप्रिय हो रही है। काइलैक अपने आधुनिक, बोल्ड और मजबूत डिज़ाइन, बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने वाले फीचर्स के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक नई पहचान बनाएगी। स्कोडा ऑटो के लिए यह लॉन्च भारत में एक की शुरुआत को दर्शाती है, क्योंकि भारत यूरोप के बाहर स्कोडा के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीयूष अरोड़ा ने कहा, मुझे बेहद गर्व है कि मैं स्कोडा ऑटो की पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक को पेश कर रहा हूँ। काइलैक पूरी तरह से भारत में ही बनाया गया है, जिसमें स्थानीयता के उच्च स्तरों को शामिल किया गया है। इससे हम मेक इन इंडिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत कर रहे हैं। यह एसयूवी स्कोडा ग्रुप के डीएनए के अनुसार आरामदायक ड्राइविंग, ुरक्षा और आराम का सही संयोजन प्रदान करती है। इसे खासतौर पर भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह एसयूवी भारतीय ग्राहकों को बेहद पसंद आएगी। काइलैक को भारत में और भारत के लिए डिज़ाइन किया गया है, और यह एक गेमचेंजर साबित होगी। मॉडर्न, बोल्ड और मस्कुलर : काइलैक नए ग्राहकों को आकर्षित करेगी काइलैक को भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती उम्मीदों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है।

फिज़िक्स वाला (पीडब्लू) लॉन्च करेगा 77 नए टेक-इनेबल्ड विद्यापीठ ऑफ लाइन सेंटर्स : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब और भी सुलभ

भिलाई: फ़िज़िक्स वाला (पीडब्लू), भारत की प्रमुख एडटेक कंपनी, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा देने के लिए शैक्षणिक वर्ष 25-26 में 77 नए ऑफ्लाइन टेक-इनेबल्ड लर्निंग सेंटर्स खोलने का ऐलान किया है। ये नए सेंटर्स तमिलनाडु, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कई अन्य राज्यों में खोले जाएंगे। इस विस्तार से पीडब्लू के ऑफ्लाइन सेंटर्स की कुल संख्या 126 से बढ़कर 203 हो जाएगी, जो 141 शहरों में होंगे। इस कदम का मकसद खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों के बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाना है, ताकि देश के दूर-दराज़ के इलाकों तक भी इसका लाभ मिल सके।

शैक्षणिक वर्ष 24-25 में पीडब्लू के विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स में 2 लाख से ज़्यादा छात्रों ने एडमिशन लिया, जो पीडब्लू के मिशन पर लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। अगले शैक्षणिक वर्ष में पीडब्लू का लक्ष्य 2.5 लाख छात्रों को पढ़ाना है और कंपनी इस बात पर पूरी

तरह से ध्यान देती है कि हर स्टूडेंट को उसकी पढ़ाई के लिए जरूरी गाइडेंस और संसाधन मिलें। आज लगभग हर ड्ढ्ढञ्ज और हर ड्ढ्ढस्र् में पीडब्लू का कोई न कोई छात्र पढ़ रहा है। पीडब्लू के ऑफ्लाइन सेंटर्स दो मॉडल्स में बंटे हुए हैं ड्ढ विद्यापीठ और पाठशाला । विद्यापीठ सेंटर्स टेक-इनेबल्ड हैं, जहाँ छात्र क्लासरूम में आकर अनुभवी टीचर्स से पढ़ाई करते हैं। वहीं पाठशाला मॉडल में 'दो-टीचर सिस्टम' है, जहाँ एक टीचर वर्चुअली पढ़ाते हैं और दूसरा टीचर क्लासरूम में रहकर स्टूडेंट्स के सवालों के जवाब देता है। इस मॉडल से छात्र चाहे कहीं भी हों, वे देश के टॉप टीचर्स से पढ़ाई कर सकते हैं। इन दोनों मॉडल्स को मिलाकर पीडब्लू ने डिजिटल और फिजिकल लर्निंग को एक साथ लाकर देशभर के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी है। अंकित गुप्ता, ष्टश्वह्र-ऑफ्लाइन, फ़िज़िक्स वाला, ने कहा, पीडब्लू में, हम हमेशा छात्रों की ज़रूरतों और उनकी भलाई को प्राथमिकता देते हैं। नए सेंटर्स खोलकर हम ये सुनिश्चित करना चाहते हैं कि छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, जिससे उनका आर्थिक बोझ भी कम हो। साथ ही, हम ये भी चाहते हैं कि उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए दूसरे शहरों में शिफ्ट होने का मानसिक और भावनात्मक तनाव न झेलना पड़े।

बीआईएस को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित करने चाहिए : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच मिले। राष्ट्रीय राजधानी में 'विश्व मानक दिवस' पर मुख्य भाषण देते हुए मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की भलाई गुणवत्तापूर्ण उत्पादों तक पहुंच पर निर्भर करती है, जबकि उद्योग की वृद्धि और लाभ सीधे इन उच्च गुणवत्ता वाले सामानों की मांग से जुड़ी हुई है। मंत्री जोशी ने उपस्थित लोगों से कहा, यह उपभोक्ताओं और उत्पादकों की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करने वाला एक समग्र नजरिया है, जो मजबूत गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण पर जोर दिया कि देश को अपनी सर्वोत्तम गुणवत्ता के लिए पहचाना जाए और भारत खुद को विश्व मानकों का पर्याय बनाने का प्रयास करे। मंत्री ने जोर देकर कहा, बीआईएस को गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार में इसका योगदान भी है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास को समृद्ध बनाने, मेड इन इंडिया लेबल को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर ब्रांड भारत की स्थापना करने में बीआईएस की बहुत बड़ी भूमिका है।

टेस्ट क्रिकेट का स्तर सबसे ऊंचा, इसमें हालात के हिसाब से खुद को ढालना अहम : अश्विन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय स्पिन गेंदबाज और ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती को नए सिरे से समझाया और इसे खेल का सबसे ऊंचा स्तर बताया। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में उन्होंने इस बारे में बात की। वीडियो में भारतीय टीम के बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले अभ्यास सत्र की झलकियां दिखाई गई। इसमें अश्विन की आवाज में बताया गया कि टेस्ट क्रिकेट में हर दिन खिलाड़ियों को हालात के हिसाब से ढलना पड़ता है और नई रणनीतियां अपनानी पड़ती हैं। अश्विन ने कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा अनुकूलन (एडेप्टेशन) के बारे में है। आप पांचवें दिन का खेल वैसे नहीं शुरू कर सकते जैसे पहले दिन किया था। हर दिन आपको हालात के हिसाब से ढलना जरूरी होता है। यही वजह है कि इसे क्रिकेट का सबसे ऊंचा स्तर कहा जाता है। बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे अश्विन अब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खेलने वाले हैं। पहला मैच बुधवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 527 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड की टीम आखिरी बार 2021-22 में भारत आई थी, तब दो टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड के स्पिनर एजाज पटेल ने एक पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। ऐसा करने वाले वह दुनिया के तीसरे गेंदबाज बने, उनसे पहले यह कारनामा जिम लेकर और भारत के अनिल कुंबले ने किया था। फिलहाल, भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में सबसे ऊपर है, जबकि 2021 में खिताब जीतने वाली न्यूजीलैंड की टीम छठे स्थान पर है। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम इस सीरीज में अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहेगी, ताकि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले वे शीर्ष पर बने रहें, जो नवंबर-जनवरी में शुरू होगा।

अमेज़न ने भारतीय लघु व्यवसायों के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी और एआई -संचालित इनोवेशन के लिए लॉन्च किया संभव हैकथॉन 2024

नई दिल्ली: अमेज़न इंडिया ने आज अमेज़न संभव हैकथॉन 2024 के लॉन्च की घोषणा की, जो ई-कॉमर्स में भारतीय लघु और मध्यम व्यवसायों (एसएमबी) के लिए अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी और एआई-संचालित इनोवेशन को आगे बढ़ाने से जुड़ी राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता है। यह हैकथॉन भारत में कंपनी के प्रमुख वार्षिक शिखर सम्मेलन के पांचवें संस्करण, अमेज़न संभव 2024 की तैयारी का हिस्सा है, और देश भर के इनोवेटर को भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित कर रहा है। अमेज़न ने स्टार्टअप इंडिया, डीपीआईआईटी, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ) - इंडिया और एनआईएफ इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (एनआईफइनट्रेक-NIFientreC) के साथ भागीदारी की है, ताकि देश के दूर-दराज़ के इलाके के इनोवेटर में मौजूद अपार संभावनाओं का समर्थन किया जा सके। यह हैकथॉन 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुला है, जिसमें छात्र, उद्यमी, जमीनी स्तर के इनोवेटर, सेवा प्रदाता, कामकाजी पेशेवर, एसएमबी और व्यापक ई-कॉमर्स परितंत्र शामिल हैं। यह हैकथॉन ई-कॉमर्स इकोसिस्टम में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत की इनोवेटिव भावना का उपयोग करने का प्रयास करता है। चाहे आप गेम-चेंजिंग आइडिया वाले कॉलेज के छात्र हों, छोटे शहर से काम करने वाले टेक्नोलॉजी प्रेमी या स्थानीय व्यावसायिक चुनौतियों की प्रत्यक्ष समझ रखने वाले उद्यमी, यह हैकथॉन आपको ई-कॉमर्स परिदृश्य में सार्थक बदलाव लाने का अवसर प्रदान करता है। हैकथॉन उन इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करेगा जो तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल परिदृश्य में एसएमबी की वृद्धि और सफलता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। प्रतिभागी उत्पाद लिस्टिंग के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाने, मल्टी-चैनल पूर्ति को सुव्यवस्थित करने, सीमा पार व्यापार को सरल बनाने और ई-कॉमर्स के लिए स्थायी समाधान विकसित करने जैसी चुनौतियों का सामना करेंगे। हैकथॉन कई चरणों से गुजरेगा, विचार प्रस्तुत करने से लेकर प्रोटोटाइप विकास तक, उद्योग के शीर्ष नेतृत्व के एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल के सामने डेमो डे में समापन होगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन के साथ त्योहारी मौसम की खुशियां मनाईं

बैंगलोर: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्योहारों के उत्साह को और बढ़ाते हुए अपने बेहद लोकप्रिय मॉडल अर्बन क्रूजर टेसर के एक्सक्लूसिव लिमिटेड एडिशन की घोषणा की। स्टाइल और प्रीमियम खासियतों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिज़ाइन किया गया यह स्पेशल एडिशन, ग्राहकों की खुशी और उत्साह बढ़ाने के लिए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरीज़ (टीजीए) पैकेज के साथ आता है। इसे अच्छी तरह से तैयार किया गया है। सभी टर्बो रूपांतरों में उपलब्ध, यह लिमिटेड एडिशन 20,160 रुपये के व्यापक टीजीए पैकेज के साथ आता है जो बहुमुखी यूसी टेसर के बाहरी और आंतरिक दोनों को बेहतर बनाता है। प्रमुख विशेषताओं की सूची: आगे और पीछे के अंडर स्पॉइलर ग्रेनाइट ग्रे और लाल रंगों में, प्रीमियम डोर सिल गार्ड, हेड लैम्प और फ्रंट ग्रिल के लिए क्रोमगार्निश, बॉडी साइड मोल्डिंग, डोर वाइजर प्रीमियम, सभी मौसम के अनुकूल 3डी मैट और स्वागत करने वाला डोर लैंप। सभी टीजीए को डीलरशिप पर प्रमाणित टोयोटा तकनीशियनों द्वारा लगाया जाएगा, जिससे उच्चतम गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित होगी। फेस्टिव एडिशन की पेशकश पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सबरी मनोहर ने कहा, टोयोटा में, हमारा प्रयास हमेशा अपने ग्राहकों के खास अवसरों और उत्सवों का हिस्सा बनने पर केंद्रित रहा है, जो आनंद दायक, ग्राहक-केंद्रित अनुभव तैयार करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अर्बन क्रूजर हाइराइडर फेस्टिव एडिशन की हाल ही में शुरुआत के बाद, हम अर्बन क्रूजर टेसर के फेस्टिव एडिशन की पेशकश करते हुए उत्साहित हैं, जिसे इस फेस्टिव सीजन में कुछ नया और रोमांचक लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहक इस नए एडिशन में बेहतरीन मूल्य पाएंगे।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय, मुख्य अभियंता,
महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूमेंट निविदा सूचना
eprocurement Portal:https://eproc.cgstate.gov.in
(निविदा सूचना आमंत्रण)

निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदाए आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार हे :-

निविदा सिस्टम नं. निविदा सूचना क्र. / दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	निविदा ऑनलाईन पर आमंत्रित पर अंतिम तिथि
निविदा सिस्टम नं. - 159714 18/वलेस / 2024-25 दिनांक 14.10.2024	कबीरधाम जिले के विकासखंड पंडरिया अंतर्गत कौआनार डायवर्सन योजना के मुख्य नहर आर. डी. 0 मी. से 2250 मी. एवं लघु नहर आर. डी. 0 मी. से 1500 मी. तक रिमाडलिंग और सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग 02 नग डी.सी., 16 नग फाल, 01 नग व्ही. आर. बी. निर्माण सहित कोलाबा फिक्सिंग कार्य (प्रथम आमंत्रण)	रू. 240.53 लाख	21-10-2024
निविदा सिस्टम नं.-159715 19/वलेस/2024-25 दिनांक 14.10.2024	कबीरधाम जिले के विकासखंड पंडरिया अंतर्गत चतरी जलाशय के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, दांयी तट मुख्य नहर आर. डी. 0 मी. से 1650 मी. एवं बांयी तट मुख्य नहर आर. डी. 0 मी. से 1260 मी. तक रिमाडलिंग एवं सीमेंट कांक्रीट लाईनिंग, 01 नग फाल, 04 नग व्ही. आर. बी., निर्माण सहित कोलाबा फिक्सिंग कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	रू. 284.64 लाख	21-10-2024

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 21.10.2024 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है ।

नोट : निविदा में भाग लेन हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा, जिला- कबीरधाम (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)
G-242503180/2

सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा स्थगित

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा संचालनालय कृषि छत्तीसगढ़ नवा रायपुर के अंतर्गत सहायक सांख्यिकी अधिकारी एवं प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षाओं (व्रस्स्23) का आयोजन दिनांक 20 अक्टूबर 2024 (रविवार) को दो पालियों में किया जाना था, जिसे अपरिहार्य कारणवश स्थगित किया गया है।

आचार्य छत्तीसी विधान का बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

छत्तीसगढ़ में धार्मिक अनुष्ठान का ऐसा पहला आयोजन

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड रायपुर।

श्री पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी।

श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर रायपुर।

श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर डीडी नगर रायपुर।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर टैगोर नगर रायपुर।

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दिगंबर जैन समाज के द्वारा बुधवार को धार्मिक अनुष्ठान के क्षेत्र में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया। ब्रह्मलीन संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर के गुणानुवाद के लिए समर्पित विशेष धार्मिक अनुष्ठान आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कर इतिहास रच दिया। समूचे छत्तीसगढ़ के 76 दिगंबर जैन मंदिरों में एक साथ प्रात: 7 बजकर 36 मिनट पर यह विधान प्रारंभ हुआ जो अनवरत् लगभग 3 घंटे चलता रहा। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग भक्तिमय आराधना के साथ जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नैवेद्य, दीपक, धूप, फल सहित अष्ट द्रव्यों के साथ अर्घ समर्पण करते हुए विधान करते रहे। वहीं शाम को सभी मंदिरों में विशेष भक्ति व आचार्य विद्यासागर की महाआरती का कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन में रायपुर के फाफाडीह, शंकर नगर, टैगोर नगर, डीडी नगर, मालवीय रोड, चूड़ी लाइन, लाभांडी, बढ़ईपारा, अमलतास कचना और गुढ़ियारी के दिगंबर मंदिर से जुड़े सभी लोग शामिल हुए। जैन आगम के अनुसार पांच परम पदों में से एक आचार्य पद है जिसमें उनके तप, संयम, स्वाध्याय, समिति, आहार, महाव्रतों सहित 36 मूलगुणों का पालन करना अनिवार्य होता है। उल्लेखनीय है कि आचार्य विद्यासागर ने अपने दीक्षा के 56 वर्षों में कठिन व्रत करते हुए आजीवन नमक, तेल, शक्कर, हरी सब्जियों, सभी प्रकार के फल, ड्राइ फरूट्स, चटाई, दिन में सोना, समस्त वाहन, दूध, दही, सभी भौतिक संसाधनों का आजीवन का त्याग कर दिया था। उन्होंने स्वयं साधना में लीन रहते हुए लगभग 400 से ज्यादा मुनि, आर्यिका दीक्षाएं दी। उन्होंने 100 से अधिक ग्रंथो की रचना की। जन-जन के कल्याण के लिए पूर्णायु आयुर्वेद महाविद्यालय व अस्पताल, प्रतिभास्थली स्कूल, 150 से अधिक गौशालाएं, हजारों हथकरघा केंद्रों सहित सैकड़ों मंदिरों का पुनरूद्धार व नई मंदिरों का नवनिर्माण कराया। आचार्य विद्यासागर के साहित्य एवं जीवनदर्शन पर 35 से अधिक डी.लिट व अनगिनत पीएचडी की जा चुकी है।

शारदोत्सव में प्रदर्शनी व नाट्य का मंचन आज

आचार्य विद्यासागर के जन्मदिवस को भव्य महोत्सव के रूप में शारदोत्सव के रूप में आज गुरूवार को मनाया जाएगा। शहर के दीनदयाल आडिटोरियम में संध्या 6 बजे से होने वाले इस गुरू शरणम् उत्सव में देश-विदेश से अतिथि शामिल हो रहे हैं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त जबलपुर के विवेचना रंगमंडल के 30 से अधिक कलाकारों द्वारा विद्यासागर महाराज के जीवन पर आधारित नाट्य की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं हथकरघा केंद्रों, पूर्णायु आयुर्वेद संस्थान द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। **-डॉ. मंजूला जैन**

श्री दिगंबर जैन मंदिर शंकर नगर रायपुर में गोल्डन बुक्स ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रोविजनल सर्टिफिकेट शंकर नगर दिगंबर जैन मंदिर समिति को प्रदाय किया गया

संपूर्ण छत्तीसगढ़ आज हुआ विद्यासागर मय आज 16/10/24 प्रातः संपूर्ण छत्तीसगढ़ के 76 दिगंबर जैन मंदिर में 7:36 में एक साथ, एक समय आचार्य छत्तीसी विधान का वाचन किया गया, इस संबंध में एक साथ इतने मंदिरों में एक समय पर पूजा विधान करने के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ गोल्डन बुक का वर्ल्ड रिकॉर्ड छत्तीसगढ़ की स्टेट कोऑर्डिनेटर श्रीमती सोनल राजेश शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक लोकेश चंद्रकांत जैन ने इसकी आधिकारिक घोषणा की 17 अक्टूबर में आयोजित शरदोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अथिति माननीय विष्णु देव साय (मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन) के हाथों से गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट एवं बैच रायपुर एवं छत्तीसगढ़ के सभी मंदिरों अध्यक्ष को प्रदान किया जाएगा।

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर अमलतास कचना रायपुर।

श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर चूड़ी लाइन रायपुर।

गुरू स्मरण प्रभावना भोज का हुआ आयोजन

श्री जैन युवा महासभा के तत्वाधान में शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को स्मरण करते हुए गुरु स्मरण प्रभावना भोज का आयोजन दिनांक 16 अक्टूबर 2024 दिन बुधवार को दोपहर 12 से 3 बजे तक फूड कल्चर, पाटीदार भवन के सामने फाफाडीह रायपुर में किया गया जिसमें जैन युवा महासभा के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर प्रसाद वितरण करने में सहयोग प्रदान किया एवं 2500 से अधिक लोगों को सात्विक प्रसाद वितरण करके गुरु जी का संदेश जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

श्री सन्मति दिगंबर जैन मंदिर फाफाडीह रायपुर।

सतत् विकास के लक्ष्य के साथ भारतीय मानक ब्यूरो निरंतर क्रियाशील!

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने मानकीकरण में दुनिया भर में शामिल हजारों विशेषज्ञों के सहयोगात्मक प्रयासों को स्वीकार करने और भविष्य के पथ पर विचार करने के लिए विगत दिनों विश्व मानक दिवस मनाया। इस उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा भारत भर में फैले अपने क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के मजबूत नेटवर्क के माध्यम से देश भर में उपभोक्ता केंद्रित गतिविधियों के अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर और रायगढ़ जिले में सम्मेलन अयोजित किये गये। रायपुर में विगत दिनों मानक महोत्सव का आयोजन किया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो, भारत का विश्वीय मानक निकाय, भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तत्वावधान में कार्यरत वैधानिक निकाय है। यह उद्योग के लाभ के लिए और उपभोक्ता संरक्षण के उद्देश्य से उत्पाद प्रमाणन (आईएसआई मार्क), प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन, सोने और चांदी के आभूषणों/कलाकृतियों हॉलमार्किंग और

प्रयोगशाला सेवाओं जैसी विभिन्न योजनाएं संचालित करता है।

विश्व मानक दिवस 2024 का विषय सतत विकास लक्ष्य 9 उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे के लिए सतत विकास लक्ष्य को शामिल करते हुए बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण है। जो 2015 में संयुक्त विश्व महासभा द्वारा अपनाए गए 17 सतत विकास लक्ष्यों में से एक है।सतत विकास लक्ष्य 9 का उद्देश्य है कि लचीला बुनियादी ढांचा तैयार करना, टिकाऊ औद्योगीकरण को बढ़ावा देना और नवाचार को बढ़ावा देना है। इसमें कुल आठ लक्ष्य हैं, और प्रगति को बारह संकेतकों द्वारा मापा जाता है। पहले पांच लक्ष्य परिणाम लक्ष्य हैं- टिकाऊ, लचीला और समावेशी बुनियादी ढांचे का विकास करना, समावेशी और टिकाऊ औद्योगीकरण को बढ़ावा देना, वित्तीय सेवाओं और बाज़ारों तक पहुंच बढ़ाना, स्थिरता के लिए सभी उद्योगों और बुनियादी ढांचे को उन्नत करें, अनुसंधान को बढ़ाना और औद्योगिक प्रौद्योगिकियों को उन्नत करना। शेष तीन लक्ष्य कार्यान्वयन लक्ष्य के साधन हैं विकासशील देशों के लिए सतत बुनियादी ढांचे के विकास की सुविधा प्रदान करना, घरेलू प्रौद्योगिकी विकास और औद्योगिक विविधीकरण का समर्थन करना, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तक सार्वभौमिक पहुंच।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने हिन्दी दिवस समारोह का किया आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर में हिन्दी माह के अवसर आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह एवं राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन हमारे क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री किसलय प्रसाद के मार्गदर्शन एवं निर्देशन पर किया गया।

इस विशेष मौके पर बैंक ऑफ बड़ौदा प्रधान कार्यालय द्वारा हिन्दी दिवस पर हमारे बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री देबदत्त चांद प्रेषित विडियों संदेश सभागार में प्रसारित किया गया। उन्होंने अपने संदेश में सहर्ष सूचित किया की बैंक ऑफ़ बड़ौदा को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

इस संबंध में राजभाषा के क्षेत्र में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की विशेष योगदान की चर्चा करते हुए रायपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख, श्री किसलय प्रसाद ने सभी स्टाफ सदस्यों को सूचित किया की हमारा बैंक ग्राहक को सेवा उनकी भाषा में सेवा प्रदान कर हम उनको बेहतर संवाद स्थापित कर उन्हें सर्वोत्तम ग्राहक अनुभव प्रदान कर रहा है। उन्होंने यह भी सूचित किया की हमारा कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन उत्कृष्ट रहा है जिसके कारण ही वित्तीय-वर्ष 2022-23 के दौरान उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार (क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, मध्य) से दिनांक 23.11.2023 को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य अथिति डॉ शैल शर्मा, विभागाध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला विभाग, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का स्वागत क्षेत्र के उच्चाधिकारियों द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने वर्तमान परिदृश्य में हिन्दी का महत्व अपने विचार व्यक्त करते हुए हिन्दी के विकास से स्टाफ सदस्यों को अवगत कराया और कहा की आज विश्व की नजर भारत पर है क्योंकि भारत दिन-प्रतिदिन विकास कर रहा और वैश्विक परिवेश में हिन्दी भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है। इस अवसर पर हिन्दी माह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन उप क्षेत्रीय प्रमुख, श्री प्रदीप कुमार यादव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

पारदर्शी प्रक्रिया के अनुरूप रायपुर स्मार्ट सिटी लि. सहित राज्य की अन्य संस्थाएं ले रही हैं सलाहकार फर्मों से मानव संसाधन- रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड में सलाहकार एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत मानव संसाधन के संबंध में एक इलेक्ट्रानिक मीडिया चैनल द्वारा दिनांक 14-15 अक्टूबर 2024 को तथ्यहीन समाचार प्रसारित किया गया। इस संबंध में वस्तुस्थिति यह है कि निविदा क्रमांक- 83626/RSCL/Empanelment/2021 दिनांक 21.09.2021 द्वारा रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड व राज्य की अन्य संस्थाओं के विभिन्न प्रोजेक्ट्स के डिजाइनिंग, डेवल्पमेंट, प्रबंधन और क्रियान्वयन व विभिन्न अन्य कार्यों के लिए मानव संसाधन उपलब्ध कराने हेतु सलाहकार फर्मों को निम्नांकित क्षेत्रों में कार्य करने हेतु सूचीबद्ध किए जाने निविदा जारी की गई थी-

Information Technology, Financial & Legal Sector, Governance Sector, Engineering Sector, Infrastructure Sector, Healthcare Sector, Social and other Sector, PR Sector.

उपरोक्तानुसार 7 फर्मों (Big y - PWC, KPMG, Deloitte, Ernst&Young सहित Span Communication, Lion Engineering, Aurionpro) से निविदा प्रस्ताव प्राप्त हुए। तत्कालीन निविदा समिति ने परीक्षण उपरांत उपरोक्त फर्मों को उनके विशेषज्ञता के क्षेत्र में पात्र पाए जाने पर सूचीबद्ध किये जाने का परामर्श प्रदान किया। दर निर्धारण हेतु उपरोक्त प्रस्ताव में से प्रत्येक पद/रोल की न्यूनतम दर (एल-1) को आधार मानते हुए सभी 7 निविदाकारों को आशय पत्र जारी कर सभी से न्यूनतम दर पर सहमति प्राप्त की गई, जिसमें कुल 93 पद/रोल सूचीबद्ध हुईं, जिसके उपरांत रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नियमानुसार इम्पैनलमेंट और अनुबंध की प्रक्रिया पूरी की गई।

प्रसारित भ्रामक समाचार में स्टॉफ फॉर डाटा एंट्री पद/रोल का उल्लेख किया गया है, जिसके संबंध में वस्तुस्थिति यह है कि स्टॉफ फॉर डाटा एंट्री वित्त शाखा से संबंधित पद/रोल है, जिसके लिए न्यूनतम योग्यता व न्यूनतम अनुभव की शर्तें Request for Proposal (RFP) में परिभाषित की गई थी। इसके आधार पर इस पद/रोल के लिए दरें वर्ष 2021 में आमंत्रित निविदा के माध्यम से प्राप्त हुई थी, जिसमें से न्यूनतम प्राप्त दर के आधार पर फर्मों को इस पद/रोल हेतु भी सूचीबद्ध किया गया। वित्त शाखा के इस पद/रोल की तुलना डाटा एंट्री ऑपरेटर या कम्प्यूटर ऑपरेटर पद से नहीं की जा सकती। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड में कार्यरत विभिन्न मानव संसाधनों को उनकी योग्यता, अनुभव, स्किल सेट के आधार पर विभिन्न दायित्व व कार्य प्रदान किए गए हैं।

इसी प्रकार का consultants & various roles का इम्पैनलमेंट केंद्र व राज्य की अन्य संस्थानों जैसे- NICSI व Chips आदि में भी है। इस इम्पैनलमेंट के माध्यम से रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अलावा राज्य के अन्य विभागों/कार्यालयों (जैसे- पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर, पुलिस मुख्यालय डायल 112, कार्यालय महानिरीक्षक-पंजीयन, कलेक्टर कार्यालय दुर्ग, RDUPSS, नया रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड, बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड आदि) द्वारा समय-समय पर उनकी आवश्यकतानुसार मानव संसाधन लिए जाते रहे हैं अथवा वर्तमान में लिए जा रहे हैं। इस हेतु निर्धारित 5 प्रतिशत प्रशासनिक सेवा शुल्क भी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को प्राप्त होता है, जो आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को वित्तीय संधारणीय (Financially Self-Sustainable) बनाने की दिशा में कदम है।

संपूर्ण निविदा प्रक्रिया का नियमानुसार पूर्ण पारदर्शिता से अनुपालन हुआ है एवं इस आधार पर ही आवश्यकता अनुरूप रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड SPV द्वारा मानव संसाधन की सेवाएं ली जा रही हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया में प्रसारित समाचार भ्रामक, अपूर्ण जानकारी पर आधारित व तथ्यहीन है। प्रसारित समाचार में वास्तविक तथ्यों की अनदेखी की गई एवं अपूर्ण व अपुष्ट सूचनाओं के आधार पर भ्रामक समाचार का प्रसारण उक्त मीडिया चैनल द्वारा किया गया, प्रसारित समाचार का रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड खंडन करता है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354